Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

मंत्र भारत

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 67
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
मंगलवार ,07 अक्टूबर 2025

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

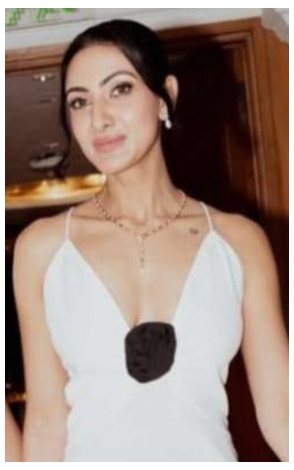

3 राजधानी लखनऊ में हुआ मिसेज मूनलाइट 2025 का | 4 जनता को किया वोटिंग से किनारा, विपक्ष ने नकारा | 5 हमारे परिवार की परी..भाभी नीलम के बर्थडे पर

चुनाव आयोग का ऐलान- 6 और 11 नवंबर होंगे बिहार में मतदान

जानिए कब आएगा परिणाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए आगामी छह नवंबर और 11 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा तथा मतगणना 14 नवंबर होगी। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की। कुमार ने यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पहले चरण में 121 और दूसरे चरण में 122 सीट के लिए मतदान होगा। बिहार में विधानसभा की कुल 243 सीट हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने यह भी बताया कि चुनाव के लिए अधिसूचना 10 अक्टूबर को जारी होगी, नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर को होगी, 18 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 20 अक्टूबर तक नामांकन पत्र वापस लिए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि दूसरे चरण के लिए अधिसूचना 13 अक्टूबर को जारी होगी, नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर को होगी, 21 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 23 अक्टूबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। उनके अनुसार, राज्य में कुल मतदाताओं की संख्या 7.42 करोड़ है, जिनमें पुरुष मतदाता 3.92 करोड़ और महिला मतदाता 3.50 करोड़ हैं। कुमार ने बताया कि 14 लाख मतदाता बिहार विधानसभा चुनाव में पहली बार मतदान कर सकेंगे। बिहार की वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को समाप्त हो रहा है। राजनीतिक दलों ने निर्वाचन आयोग से अक्टूबर के अंत में छठ पर्व के तुरंत बाद चुनाव कराने का आग्रह किया था, ताकि अधिक से अधिक मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके, क्योंकि बड़ी संख्या में राज्य के बाहर काम करने वाले लोग उस दौरान त्योहारों के लिए घर लौटते हैं। राज्य में वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव कोविड-19 महामारी की पृष्ठभूमि में तीन चरणों में हुए थे। कुमार ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि किसी का नाम छूट गया है, तो नामांकन की तिथि से 10 दिन पहले तक अपना नाम जुड़वा सकते हैं। कुमार ने कहा, इस बार बिहार विधानसभा चुनाव न केवल मतदाताओं के लिए बहुत ही सुगम और सरल होंगे, न केवल कानून व्यवस्था पर पूर्ण निगरानी रखी जाएगी, बल्कि पूर्ण पारदर्शी तरीके से होने वाले ये चुनाव सबसे अच्छे चुनाव परिलक्षित हों, ऐसी आयोग की मंशा है। उन्होंने कहा कि आयोग सभी राजनीतिक दलों और सभी लोगों से सहयोग की उम्मीद करता है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग ने सख्त निर्देश दिए हैं कि किसी तरह की हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाए। कुमार ने कहा कि फर्जी खबरों और दुष्प्रचार पर आयोग की तरफ से कड़ी निगरानी रखी जाएगी। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा, 17 नई पहल की जा रही हैं।

संस्कृत दिव्य ज्ञान की भाषा है, जिसमें आध्यात्मिक ज्ञान के साथ भाव भी चाहिए तभी विश्व कल्याण का रास्ता निकलेगा: सीएम

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आने वाले समय में दुनिया को जोड़ने वाली भाषा संस्कृत ही होगी। उन्होंने कहा कि संस्कृत के उत्थान के लिए सरकार छात्रवृत्ति और उच्च स्तर पर शोध के लिए लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ अपने दो दिवसीय दौरे के पहले दिन सोमवार को वाराणसी के शिवपुर स्थित अन्नपूर्णा ऋषिकुल ब्रह्मचर्याश्रम संस्कृत महाविद्यालय में काशी अन्नपूर्णा अन्न क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा संचालित सिलाई-कढ़ाई एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र के 14वें सत्रांत के अवसर पर बोल रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने लगभग 250 बालक-बालिकाओं को सिलाई मशीन, लैपटॉप एवं प्रमाण पत्र भी वितरित किये। सीएम योगी ने इस अवसर पर कहा कि दुनिया का पहला विश्वविद्यालय तक्षशिला भी भारत की ही देन है। उन्होंने कहा कि महाज्ञानी पाणिनि उसी के छात्र थे, जिनका व्याकरण हमें देखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने दुनिया का पहला संस्कृत महाकाव्य रचा था और आने वाले समय में दुनिया को जोड़ने वाली भाषा संस्कृत ही होगी। उन्होंने कहा कि संस्कृत दिव्य ज्ञान की भाषा है जिसमें आध्यात्मिक ज्ञान के साथ भाव भी चाहिए तभी विश्व कल्याण का रास्ता निकलेगा। उन्होंने कार्यक्रम के भव्य आयोजन के लिए अन्नपूर्णा आश्रम के महंत शंकर पुरी को धन्यवाद दिया।मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि यह मठ देव वाणी संस्कृत के लिए भी लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि अन्नपूर्णा मंदिर के संस्कृत महाविद्यालय के बच्चे सभी कार्यक्रमों में वैदिक मंत्रोच्चार करके माहौल को आध्यात्मिक बना देते हैं।

दार्जिलिंग में बाढ़-भूस्खलन का कहर, 28 लोगों की मौत, कई लापता, राहत बचाव कार्य जारी

सिलीगुड़ी (एजेंसी)। दार्जिलिंग में मूसलाधार बारिश के कारण मृतकों की संख्या बढ़कर 28 हो गयी है और पहाड़ी इलाकों और दुआर में लोगों को और ज्यादा बारिश का डर सता रहा है। यह जानकारी आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को दी। 28 मौतों में से 22 पहाड़ी इलाकों में और छह मौतें जलपाईगुड़ी जिले के दुआर में हुयी हैं। 60 से ज्यादा लोग घायल हैं और कई लोग लापता हैं क्योंकि कई दुर्गम इलाकों में सूचना नेटवर्क पूरी तरह से बहाल नहीं हो सका है। दार्जिलिंग के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मिरिक उपखंड में भूस्खलन में 11 लोगों की मौत हो गयी जबकि कई घर जमीन में दब गए। मिरिक का एक छोटा सा गांव, सौरेनी, पूरी तरह से तबाह हो गया है जहां एनडीआरएफ की टीम ने मलबे और भूस्खलन से पांच लोगों के शव निकाले हैं। यह क्षेत्र अब पूरी तरह से समतल हो चुका है क्योंकि वहां कोई घर नहीं बचा है और कुछ जिंदा लोग विनाश के बाद अपना बचा हुआ सामान भी अपने साथ लेकर वहां से जा चुके हैं। सूत्रों के अनुसार, दार्जिलिंग सदर के सुखिया पोखरी ब्लॉक में छह लोगों की मौत हो गयी जबकि बिजनबाड़ी में एक व्यक्ति की मौत की खबर है। जलपाईगुड़ी के दुआरों में उफनती तीस्ता, महानंदा और तोर्षा नदियों में रविवार को छह लोग बह गए और कई लोगों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। सूत्रों ने कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत ने कहा- प्रदेश में जल्द होंगे 400 सहायक प्रोफेसर के साक्षात्कार

हल्द्वानी (एजेंसी)। राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी में एमबीबीएस प्रथम वर्ष के 125 छात्रों की व्हाइट कोट सेरेमनी आयोजित हुई। मुख्य अतिथि सांसद अजय भट्ट ने छात्रों को शपथ दिलाई। उन्होंने घोषणा की कि जल्द 400 सहायक प्रोफेसर पदों के लिए साक्षात्कार होंगे। राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी में प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाले एमबीबीएस छात्र-छात्राओं की व्हाइट कोट सेरेमनी हुई। मुख्य अतिथि सांसद अजय भट्ट ने 125 छात्र-छात्राओं को व्हाइट कोट पहनाने के साथ ही महर्षि चरक शपथ दिलाई। विशिष्ट अतिथि चिकित्सा और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि मेडिकल कॉलेज में नियुक्ति के लिए जल्द 400 सहायक प्रोफेसर के इंटरव्यू होने वाले हैं। इनमें से 50 की नियुक्ति हल्द्वानी में होगी। मेडिकल कॉलेज के प्रेक्षागृह में रविवार हुए कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद भट्ट ने कहा कि राज्य निरंतर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में तरक्की कर रहा है। दूरस्थ क्षेत्रों में स्थित चिकित्सालयों में भी चिकित्सक और अन्य मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ आधुनिक मेडिकल उपकरण भी स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने छात्र-छात्राओं से हमेशा अपने मन में सेवा का भाव रखने का आह्वान किया। स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत ने कहा कि प्रदेश में 400 बच्चों को सरकार अपने खर्चे पर पीजी करा रही है जिससे वर्ष 2027 तक शत प्रतिशत चिकित्सा विशेषज्ञ हमारे राज्य में उपलब्ध हो जाएंगे। बताया कि पिथौरागढ़ और रुद्रपुर मेडिकल कॉलेज का संचालन भी अगले वर्ष हो जाएगा। रावत ने जानकारी दी कि प्रदेश में 180 प्रोफेसर और रीडर की नियुक्ति की गई थी जिसमें से 80 को ज्वाइनिंग दे दी गई है। अब राज्य में प्रत्येक 15 दिन में फैकल्टी इंटरव्यू होने जा रहे हैं। कार्यक्रम में विधायक बंशीधर भगत, मेयर गजराज सिंह बिष्ट, मंडी अध्यक्ष डॉ. अनिल डब्बू, दिनेश आर्या, दायित्वधारी सुरेश भट्ट, शंकर कोरंगा, निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य डॉ अजय आर्या, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. जीएस तितियाल, निदेशक कैंसर इंस्टीट्यूट डॉ. केसी पांडे, मेडिकल कॉलेज के एमएस डॉ. अरुण जोशी, सीएमओ डॉ. हरीश पंत ने छात्र छात्राओं को व्हाइट कोट पहनाया।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई से किया इनकार, तेलंगाना सरकार के आदेश को गई थी चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तेलंगाना सरकार के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें स्थानीय निकायों में पिछड़े वर्गों को 42 फीसदी आरक्षण देने का प्रावधान किया गया है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने जब संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर याचिका पर सुनवाई की इच्छा नहीं जताई, तब याचिकाकर्ता के वकील ने इसे वापस ले लिया और इसके साथ ही हाईकोर्ट का रुख करने की अनुमति मांगी। याचिका में क्या कहा गया था? 26 सितंबर 2025 को जारी सरकारी आदेश (जीओ) में पिछड़े वर्गों को 42 फीसदी आरक्षण देने की बात कही गई थी। याचिका में कहा गया कि इस आदेश के कारण स्थानीय निकायों में कुल आरक्षण 67 फीसदी हो गया है। याचिका में यह दावा किया गया था कि यह आदेश सुप्रीम कोर्ट की ओर से तय की गई 50 फीसदी आरक्षण की सीमा का उल्लंघन करता है। आठ अक्तूबर को हाईकोर्ट में तय है सुनवाई शुरूआत में ही बेंच ने याचिकाकर्ता के वकील से पूछा कि उन्होंने सीधे सुप्रीम कोर्ट का रुख अनुच्छेद 32 के तहत क्यों किया, जबकि यह अनुच्छेद केवल उन मामलों में प्रयोग होता है जहां मौलिक अधिकारों का हनन हुआ हो। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि कुछ याचिकाकर्ता पहले ही तेलंगाना हाईकोर्ट जा चुके हैं, जहां इस मामले की सुनवाई आठ अक्तूबर को तय है। उन्होंने यह भी बताया कि हाईकोर्ट ने सरकारी आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने पूछा, अगर हाईकोर्ट रोक नहीं लगाता तो आप अनुच्छेद 32 के तहत यहां आ जाएंगे? इसके जवाब में याचिकाकर्ता के वकील ने निवेदन किया कि उन्हें याचिका वापस लेने और हाईकोर्ट में जाने की अनुमति दी जाए। हाईकोर्ट में दाखिल याचिकाओं में क्या कहा गया? हाईकोर्ट में दायर याचिकाओं में यह दलील दी गई है कि स्थानीय निकायों के आगामी चुनाव में 42 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था 50 फीसदी की कानूनी सीमा को पार कर रही है, जो कि सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों के खिलाफ है।

ठाणे के शहापूर में बाल विवाह नाकाम, चार गिरफ्तार

महाराष्ट्र (एजेंसी)। डब्ल्यूसीडब्ल्यू अधिकारी की शिकायत पर बाल विवाह निषेध अधिनियम, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक नाबालिग लड़की की शादी कराने की कोशिश के आरोप में सोमवार को चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। खिनावली पुलिस थाने के निरीक्षक नितिन खैरनार ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस और जिला बाल एवं महिला कल्याण (डब्ल्यूसीडब्ल्यू) की टीम रविवार को शहापूर के शेनवे स्थित 17 वर्षीय लड़की के घर में उसके हल्दी समारोह में पहुंची। खैरनार ने बताया कि लड़की के पिता, दूल्हा और उसके पिता तथा एक विवाह दलाल को गिरफ्तार किया गया हैं।

सीजेआई गवई पर हुए हमले की सोनिया गांधी ने की निंदा

कांग्रेस ने बताया शर्मनाक और घृणित कृत्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर सुप्रीम कोर्ट के अंदर हुए हमले की विपक्षी दलों ने आलोचना की है। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सोमवार को कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर हमला सिर्फ उन पर ही नहीं, बल्कि संविधान पर भी हमला है। सोनिया गांधी ने एक बयान में कहा, सर्वोच्च न्यायालय में भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश पर हुए हमले की निंदा करने के लिए कोई भी शब्द पर्याप्त नहीं है। यह न केवल उन पर, बल्कि हमारे संविधान पर भी हमला है। मुख्य न्यायाधीश गवई बहुत दयालु रहे हैं, लेकिन पूरे देश को गहरी पीड़ा और आक्रोश के साथ उनके साथ एकजुटता से खड़ा होना चाहिए। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को भारत के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई पर हुए हमले की निंदा करते हुए इसे शर्मनाक कहा कि यह नासमझी भरा कृत्य दर्शाता है कि नफरत और कट्टरता ने समाज को किस हद तक जकड़ लिया है। खड़गे ने एक्स पर लिखा, आज सर्वोच्च न्यायालय में भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश पर हमले का प्रयास अभूतपूर्व, शर्मनाक और घृणित है। यह हमारी न्यायपालिका और कानून के शासन की गरिमा पर हमला है। उन्होंने कहा कि यह परेशान करने वाला है कि एक वर्तमान न्यायाधीश, जो योग्यता, ईमानदारी और दृढ़ता के बल पर देश के सर्वोच्च न्यायिक पद तक पहुंचे, उनको इस तरह निशाना बनाया गया।

सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत हिरासत में लिए जाने को चुनौती देने वाली उनकी पत्नी गीतांजलि जे अंगमो की एक याचिका पर केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख से जवाब मांगा है। याचिका में वांगचुक की तत्काल रिहाई का अनुरोध किया गया है। हालांकि, न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन. वी. अंजारिया की पीठ ने सोनम वांगचुक को हिरासत में लिए जाने के कारणों के बारे में उनकी पत्नी को जानकारी उपलब्ध कराने के संबंध में आदेश देने से इनकार कर दिया और मामले की सुनवाई 14 अक्टूबर तक स्थगित कर दी। वांगचुक को 26 सितंबर को कड़े रासुका के तहत हिरासत में लिया गया था। इससे दो दिन पहले लद्दाख को राज्य का दर्जा देने एवं छठी अनुसूची में शामिल किए जाने की मांग को लेकर हुए प्रदर्शनों में केंद्र शासित प्रदेश में चार लोगों की मौत हो गई थी और 90 लोग घायल हो गए थे। वांगचुक राजस्थान की जोधपुर जेल में बंद हैं।

बेंगलुरु में कार की चपेट में आने से बच्चे की मौत

बेंगलुरु (एजेंसी)। बच्चा वाहन के पीछे से आया और वाहन की चपेट में आ गया। अधिकारी ने बताया कि चालक ने तुरंत बच्चे को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उसकी मौत हो गई। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। बेंगलुरु में सोमवार को एक कार की चपेट में आने से 11 माह के बच्चा की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृत बच्चें की पहचान अजान के रूप में हुई है। यह दुखद घटना यहां मगदी रोड पर स्थित एक घर में सुबह करीब नौ बजकर 45 मिनट हुई। प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए, पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मकान मालिक अपनी कार पीछे कर रहा था और वह किरायेदार के बच्चे को नहीं देख पाया।

दिवाली पर हरित पटाखों पर प्रतिबंध हटाने के लिए दिल्ली सरकार न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगी: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार राष्ट्रीय राजधानी में दिवाली पर हरित पटाखे फोड़ने की अनुमति के लिए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगी। गुप्ता ने कहा कि सरकार उच्चतम न्यायालय के समक्ष लिखित रूप में अपना पक्ष रखेगी। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार प्रमाणित हरित पटाखों के उपयोग, जनभागीदारी सुनिश्चित करने और नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए निर्देश मांगेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिवाली सबसे बड़े त्योहारों में से एक है और उनकी सरकार ने शहर में करोड़ों लोगों द्वारा इस त्योहार को मनाने के मद्देनजर अदालत का दरवाजा खटखटाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, दिल्ली सरकार प्रदूषण को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने और पर्यावरण की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है तथा इस संबंध में जारी किसी भी निर्देश को लागू करने में उच्चतम न्यायालय को पूर्ण सहयोग का आश्वासन देती है। अदालत के आदेशानुसार, दिल्ली में सभी प्रकार के पटाखों पर प्रतिबंध है।

कफ सिरप कांड में सीएम का बड़ा एक्शन; ड्रग कंट्रोलर हटाए गए, डिप्टी डायरेक्टर समेत तीन अफसर निलंबित

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में हड़कंप मचा देने वाले कफ सिरप कांड में मप्र सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है। कई अफसरों पर गाज गिरी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि छिंदवाड़ा प्रकरण में सभी दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। राज्य सरकार सजग और संवेदनशील है, मानव जीवन की सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस क्रम में औषधि निरीक्षक छिंदवाड़ा गौरव शर्मा, औषधि निरीक्षक जबलपुर शरद कुमार जैन, उप संचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन शोभित कोस्टा को निलंबित और आईएएस अधिकारी ड्रग कंट्रोलर दिनेश मौर्य को अन्यत्र स्थानांतरित किया गया है। मुख्यमंत्री ने छिंदवाड़ा प्रकरण के संबंध में सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर उच्च स्तरीय बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अभियान चलाकर घर-घर से रिकवर करें प्रतिबंधित दवा मुख्यमंत्री ने कहा कि कोल्ड्रिफ सिरप के बेचने पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही दुकानों में उपलब्ध स्टॉक जब्त किया जाए। छिंदवाड़ा और आसपास के जिलों में जिन परिवारों ने यह दवा ली है, उनके घरों से दवा रिकवर करने के लिए सघन अभियान चलाया जाए। आशा-ऊषा कार्यकताओं के साथ ही सभी शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों का सहयोग लिया जाए। कोल्ड्रिफ सिरप दवा के अलावा पिछले दिनों क्षेत्र में बिकने वाली अन्य दवाओं की प्रभावशीलता का भी आकलन कराया जाए। दवाओं पर जो चेतावनी और सावधानियां लिखी जानी चाहिए, वह लिखी जा रही है या नहीं इसकी जांच के लिए अभियान आरंभ किया जाए। इन नियमों का पालन नहीं करने वालों पर कार्रवाई की जाए। चार वर्ष से कम उम्र के बच्चों को कॉम्बिनेशन ड्रग नहीं देने की व्यवस्था है, जो डॉक्टर इस व्यवस्था का पालन नहीं कर रहे हैं, उन पर भी कार्रवाई की जाए।

यात्रियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया

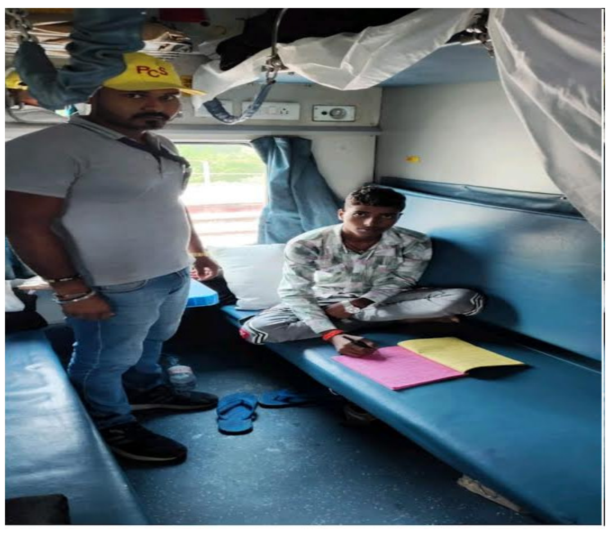

गोरखपुर,: भारतीय रेल पर 01 से 15 अक्टूबर, 2025 तक मनाये जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा-2025 के छठवें दिन 06 अक्टूबर, 2025 को स्वच्छ रेलगाड़ी (क्लीन टेज्न) थीम के अन्तर्गत मुख्यालय गोरखपुर, लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों, ट्रेनों एवं रेलवे कॉलोनियों में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान स्टेशन परिसर, कार्यालयों, प्रतीक्षालयों तथा प्लेटफार्मों की विशेष साफ-सफाई की गई। यात्रियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। स्वच्छ रेलगाड़ी (क्लीन टेज्न)ह्य थीम के अन्तर्गत लखनऊ मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों द्वारा ट्रेनों में लिनेन के साफ-सफाई की जांच की गई। इस दौरान पेण्ट्रीकार की जांच की गई तथा यात्रियों से फीडबैक प्राप्त किया गया एवं ओ.बी.एच.एस. स्टाफ को सम्मानित करने हेतु नामित किया गया। वाराणसी मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर बोतल क्रशर मशीन के उपयोग के बारे में यात्रियों को जागरूक किया गया तथा यात्रियों को प्लास्टिक की बोतल खुले स्थानों में न फेकने हेतु प्रेरित किया गया ताकि नालियाँ के बहाव में रूकावट न हो। इस दौरान 120 रेलवे कर्मचारियों एवं अनुबन्ध कर्मचारियों द्वारा नालियों की सफाई की गई। यात्रियों को प्लेटफार्म पर कूड़ा एवं कचरे के पृथक्कीकरण हेतु अलग-अलग डस्टबिन में डालने हेतु जागरूक किया गया। कर्मचारियों द्वारा स्वच्छ रेल, स्वच्छ भारत के पोस्टर, बैनर के माध्यम से सामूहिक स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गई। इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छ रेलगाड़ीह्य थीम के अन्तर्गत स्वच्छता अभियान चलाकर ट्रेनों के प्रसाधनों एवं स्टेशनों के प्रतीक्षालय, प्रसाधन की सफाई की गई। निरीक्षकों द्वारा स्वच्छता उपकरणों की जांच की गई तथा वाटर टैंक की सफाई कराई गई। विभिन्न संदेशपरक पोस्टरों के माध्यम से यात्रियों को जागरूक किया गया।

खराब पड़े 88 टेलीफोन पाइप को जोड़कर बनाई नालियां

वाराणसी। बीएचयू के छात्रों ने एक हॉस्टल में ऐसे सिस्टम तैयार किया है, जिसने यहां बारिश के बाद जलभराव नहीं होने दिया। बारिश बंद होते ही पानी सीधे जमीन के नीचे पाइपों के जाल से होते हुए मुख्य निकासी में मिल गया। बनारस में 187 मिमी बारिश के बाद बीएचयू में चारों ओर कमर तक जलभराव की समस्या देखने को मिली। वहीं, दूसरी ओर बीएचयू का एक हॉस्टल ऐसा भी था जिसके रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम ने 10 मिनट भी हॉस्टल परिसर में पानी नहीं लगने दिया। बारिश बंद होते ही पानी सीधे जमीन के नीचे पाइपों के जाल से होते हुए मुख्य निकासी में मिल गया। इस हॉस्टल में रहने वाले छात्रों ने ही ये सिस्टम तैयार किया है। बीएचयू के सरदार वल्लभ भाई पटेल हॉस्टल में नौ जगहों पर वाटर ड्रेन बनाए गए हैं, जिनकी गहराई 10-10 फीट तक है। इससे पानी धीरे-धीरे जमीन के अंदर चला जाता है। दशकों से बेकार पड़े 88 टेलीफोन पाइप को निकाला गया और कुछ पाइप की वेल्डिंग कराई और जमीन के अंदर नाली बनाकर कुल 19 चेंबर बनाए। इन सभी छोटे- छोटे चेंबर्स के सहारे सभी तरह की जल निकासी को मुख्य चेंबर के साथ जोड़ दिया गया। इसमें 12 वाटर कूलर फिल्टर भी लगाए गए हैं। इस सिस्टम को हॉस्टल के प्रशासनिक संरक्षक डॉ. धीरेंद्र राय और उनके छात्रों की टीम ने तैयार किया है, जिसमें आईआईटी बीएचयू के वैज्ञानिक प्रो. वी कुमार की मदद ली गई है।

स्वयं सेवकों ने किया पथ संचलन, शस्त्र पूजन के साथ मनाई विजयादशमी

बस्ती। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर रविवार को शिवहर्ष किसान डिग्री कॉलेज परिसर में विजयादशमी उत्सव एवं शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने अनुशासन और देशभक्ति पर आधारित शौर्य कलाओं का अद्भुत प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गुरुद्वारा कमेटी कंपनीबाग के प्रबंधक हरि सिंह बबलू ने किया। मुख्य वक्ता गोरक्ष प्रांत के सह प्रांत प्रचारक सुरजीत ने कहा कि संघ की शताब्दी यात्रा को समाज सेवा, राष्ट्र निर्माण और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। आरएसएस अखंड भारत की कल्पना लिए हिंदू समाज के प्रत्येक वर्ग को एकता के ढांचे में खड़ा करने का सतत अभियान चला रहा है।

स्कूल से लौट रही छात्रा से दुष्कर्म की कोशिश

बस्ती। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र में एक स्कूली छात्रा के साथ मारपीट और दुष्कर्म की कोशिश का मामला सामने आया है। पीड़िता की मां की तहरीर पर एसपी अभिनंदन के आदेश पर पुलिस ने रविवार को केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वाल्टरगंज क्षेत्र निवासी महिला ने बताया कि उनकी 17 वर्षीय बेटी 25 सितंबर को स्कूल गई थी। दोपहर करीब ढाई बजे जब वह घर लौट रही थी तभी रास्ते में आरोपियों ने पुरानी रंजिश के चलते उसे रोक लिया और उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि इसी दौरान आरोपी अजमत उसे खींचकर अपने कमरे में ले गया और दुष्कर्म की कोशिश किया। किसी तरह छात्रा ने वहां से भाग निकली। पीड़िता की मां के अनुसार, जब वे विरोध जताने पहुंची तो आरोपियों ने अपशब्द कहते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस का कहना है कि यह महिलाओं के बीच आपसी कहासुनी से जुड़ा विवाद प्रतीत हो रहा है। फिर भी तहरीर के आधार पर वाल्टरगंज थाने में अजमत, रशीद, मतबूना, काजल और अफसाना के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है।

डीआईजी ने किया ह्यबिछड़े मिले

बस्ती। कंपनीबाग के निकट समाचार पत्र वितरक जनकल्याण सेवा समिति की तरफ से संचालित ह्यबिछड़े मिले, खोया-पायाह्व शिविर का उद्घाटन शनिवार को डीआईजी संजीव त्यागी ने किया। इसका संचालन जय प्रकाश गोस्वामी के संयोजन में किया जा रहा है। उद्घाटन अवसर पर डीआईजी ने कहा कि यह सराहनीय पहल है, जिससे मेले में बिछड़े लोगों को अपनों से मिलाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि पर्व-त्योहारों को सौहार्द और शांति के साथ मनाना चाहिए। एसपी अभिनंदन ने बताया कि दुर्गा पूजा मेले में सुरक्षा की पूरी व्यवस्था की गई है। खोया-पाया शिविर से मेले में आने वाले लोग अपने खोए परिजनों या बच्चों को आसानी से खोज पाएंगे। समाजसेवी व वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. वीके वर्मा ने कहा कि बस्ती में पूर्णिमा के दिन प्रतिमाओं के विसर्जन की पुरानी परंपरा रही है, और ऐसे शिविर सामाजिक समरसता की मिसाल हैं। भाजपा नेता सिद्धार्थ शंकर मिश्र ने कहा कि 34 वर्षों से जय प्रकाश गोस्वामी द्वारा संचालित यह शिविर मानव सेवा का प्रतीक बन चुका है। शिविर संचालक जय प्रकाश गोस्वामी ने कहा कि चाहे कितनी भी कठिनाइयां आए, शिविर का संचालन जारी रहेगा। किसी खोए बच्चे को उसके परिवार से मिलाना बड़ी खुशी है।

असलहा संग युवक की रील वायरल, पुलिस जांच में जुटी

बस्ती। सोशल मीडिया पर एक युवक का असलहा संग रील तेजी से वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि युवक वाल्टरगंज थाना क्षेत्र का रहने वाला है। हालांकि, संवाद न्यूज एजेंसी ने वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करती है। जानकारी के अनुसार, वीडियो में युवक असलहे के साथ दिखाई दे रहा है। इसे एक युवती ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया, जिसके बाद यह तेजी से वायरल हो गया। इस मामले में पूछने पर थानाध्यक्ष उमाशंकर तिवारी ने बताया कि वायरल वीडियो की जानकारी जुटाई जा रही है और इसकी सत्यता की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

कार छोड़ भागे युवक डेढ़ घंटे तक चक्काजाम

वाराणसी। सड़क हादसे की सूचना पाकर मौके पर कपसेठी थाने की पुलिस भी पहुंच गई। आसपास के लोगों से जानकारी लेने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। कार सवार युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। कपसेठी थाना क्षेत्र के भूसौला बाराडीह गांव के पास रविवार की शाम छह बजे तेज रफ्तार अर्टिगा कार की टक्कर से स्कूटी सवार पुजारी आशीष मिश्रा (35) और मजदूर शंकर (55) की मौत हो गई। टक्कर लगते ही हवा में पांच फीट तक दोनों उछले और सड़क पर गिरते ही दोनों की मौत हो गई। हादसे के बाद कार छोड़कर चालक समेत अन्य युवक भाग निकले। आक्रोशित लोगों ने कपसेठी-बाबतपुर मार्ग पर शव रखकर डेढ़ घंटे तक चक्काजाम किया। एसडीएम के समझाने पर परिजन माने और कपसेठी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा। कपसेठी थाना क्षेत्र के बाराडीह नोनरा निवासी आशीष मिश्रा और बाराडीह मछहा निवासी शंकर शाम के समय स्कूटी से कपसेठी की ओर से घर लौट रहे थे।

कपसेठी-बाबतपुर मार्ग स्थित बाराडीह भूसौला के पास पहुंचे थे कि सामने से तेज रफ्तार में आ रही अर्टिगा कार ने स्कूटी में टक्कर मार दी। तेज रफ्तार होने के कारण स्कूटी सवार दोनों हवा में उछलते हुए सड़क पर गिरे, घटनास्थल पर ही दोनों की मौत हो गई। हादसे के बाद अगला पहिया ब्रस्ट और बंफर क्षतिग्रस्त होने के कारण वाहन छोड़कर भाग निकले। घटना की सूचना मिलते ही आशीष और प्रेम के परिजन पहुंचे और ग्रामीणों के साथ शव रखकर सड़क जाम कर दिए। कपसेठी पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन परिजन गिरफ्तारी की मांग पर अड़ गए। एसडीएम शांतनु कुमार मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाया कि आर्थिक सहायता और कार सवारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाएगा। इसके बाद ग्रामीण लगभग साढ़े 8 बजे जाम समाप्त कर दिया। सात बजे से 8.30 बजे तक चक्काजाम होने के कारण दोनों तरफ वाहनों की कतार लगी रही। परिजनों ने पुलिस को बताया कि शंकर मजदूरी करके परिवार का भरण पोषण करता था। घटना के बाद पत्नी इसरावती देवी का रो-रोकर बेहाल थी। शंकर के दो बेटे हैं। उधर, आशीष मिश्रा स्थानीय एक मंदिर में पुजारी था और पूजा-पाठ कराता था। आशीष को दो बेटे और तीन बेटियां हैं। कपसेठी थाना प्रभारी सधुवन राम गौतम ने बताया कि कार के रजिस्ट्रेशन के आधार पर वाहन मालिक की पहचान कर ली गई है। कार कब्जे में है। तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया जा रहा है।

अरब सागर में सक्रिय हुआ शक्ति चक्रवात

कानपुर। जम्मू और इसके आसपास के क्षेत्रों में पश्चिमी विक्षोभ बना हुआ है। 10 अक्तूबर के आसपास मानसून वापसी की संभावना है। यूपी से अभी मानसून की वापसी नहीं होगी। अरब सागर में शक्ति नामक चक्रवात के सक्रिय होने की वजह से फिर बादलों का रुख कानपुर सहित उत्तर प्रदेश के अधिकांश जिलों की ओर हो गया है। मौसम विभाग का पूवार्नुमान है कि सात अक्तूबर से यहां पर फिर से हल्की बारिश हो सकती है। छह अक्तूबर को ही बादल आ जाएंगे। इससे दिन में धूप का असर भी कम हो सकता है। मौसम विशेषज्ञ डॉ. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि एक पश्चिमी विक्षोभ जम्मू और इसके आसपास के क्षेत्रों में बना हुआ है। इसी तरह छह अक्तूबर को एक दूसरा पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र को प्रभावित करेगा। इसकी वजह से मध्य और उत्तर प्रदेश के पूर्वी क्षेत्रों में बारिश होने की संभावना है। बताया कि मानसून की वापसी के लिए 10 अक्तूबर के आसपास स्थितियां बन रही हैं। अभी दक्षिण पश्चिमी मानसून वापसी की रेखा के बीच रुका है। अगले कुछ दिनों तक यूपी सहित बिहार और मध्य प्रदेश व पश्चिमी यूपी के अधिकांश जिलों में तेज बारिश होने की संभावना है। नमी का असर कानपुर और इसके आसपास के क्षेत्रों में भी पड़ेगा। ऐसे में तापमान में भी कमी आ सकती है। इस बीच रविवार को धूप निकलने की वजह से अधिकतम तापमान में दो डिग्री की बढ़ोतरी के साथ 34.3 और न्यूनतम 0.7 डिग्री की बढ़त के साथ पारा 23 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। हवा-बारिश से धान की पकी फसल को हो सकता नुकसान इस बार मानसून के लंबा खिंचने की वजह से इस समय खेतों में खड़ी धान की पकी फसल बारिश और हवा के आने से गिर सकती है। धान में बालियां आ गई हैं। फसल गिरने से पैदावार पर भी असर पड़ेगा। इसी तरह खेतों में नमी बने रहने से अगली फसल जैसे आलू की बोआई के लिए खेत तैयार नहीं हो पाएंगे। ऐसे में बोआई समय से नहीं हो पाएगी जिससे पैदावार पर असर पड़ेगा।

मंत्री समझाने पहुंचे जीएसटी का गणित

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले में नेहरू हाल में आयोजित कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री अनिल राजभर जीएसटी के बारे में लोगों को अवगत कराने पहुंचे। इस दौरान पीछे नेताओं के बीच मारपीट शुरू हो गई। जीएसटी की घटी दरों को लेकर भाजपा की ओर से नेहरू हाल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जिले के प्रभारी मंत्री अनिल राजभर पहुंचे। उनके मंच पर पहुंचते ही भाजयुमो जिलाध्यक्ष आजमगढ़ निखिल राय और भाजयुमो जिला मंत्री लालगंज अमन श्रीवास्तव में मारपीट हो गई। इसके बाद मामला कोतवाली पहुंच गया। कोतवाली में भी दोनों के बीच मारपीट शुरू हो गई। क्या है पूरा मामला जानकारी के अनुसार जीएसटी पर चर्चा को लेकर भाजपा की ओर से नेहरू हाल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जिले के प्रभारी मंत्री अनिल राजभर को आना था। भाजपा कार्यकर्ता उनके स्वागत के लिए अमौड़ा टोल प्लाजा पहुंच गए थे। टोल प्लाजा पर लोगों ने प्रभारी मंत्री का स्वागत किया। जब यहां से गाड़ियों का काफिला आगे बढ़ा तो गाड़ियों के साइड और ओवरटेक को लेकर भाजयुमो आजमगढ़ जिलाध्यक्ष निखिल राय और भाजयुमो लालगंज के जिला मंत्री अमन श्रीवास्तव के बीच विवाद हो गया। रास्ते का यह विवाद नेहरू हॉल तक पहुंच गया। प्रभारी मंत्री के मंच पर पहुंचने के साथ ही दोनों एक बार फिर भिड़ गए। इसके बाद दोनों के बीच जमकर मारपीट हो गई। तब मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने हस्तक्षेप किया और दोनों को लेकर बाहर आई। इसके बाद दोनों को कोतवाली लाया गया। जानकारी होते ही काफी संख्या में दोनों के समर्थक कोतवाली पहुंच गए। एक पक्ष इस मामले में मुकदमा दर्ज करने की मांग करने लगा। वहीं कोतवाली परिसर में नगर कोतवाली प्रभारी और सीओ मामले को सुलझाने में जुटे थे। सीओ तो 151 में दोनों के चालान की बात कहकर चलते बने लेकिन उनके जाने के बाद कोतवाली प्रभारी के सामने ही दोनों पक्ष एक बार फिर से हाथापाई करने लगे। इसके बाद समर्थक भी कोतवाली में घुसकर गाली गलौज करने लगे। समाचार लिखे जाने तक दोनों पक्ष कोतवाली में जमे हैं और हंगामा जारी है।

चरित्र के संदेह में पत्नी की हत्या के बाद पति ने फंदा लगा दी जान

कानपुर। पत्नी की हत्या के बाद पति ने मौत को गले लगा लिया। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। महाराजपुर थानाक्षेत्र के सरसौल रेलवे स्टेशन किनारे बंबुरिहा गांव में पति ने पारिवारिक कलह और पत्नी पर चरित्र के संदेह में हत्या करने के बाद खुद दुपट्टे के सहारे फंदे पर लटक जान दे दी। मृतक के छोटे भाई रामबाबू ने बताया कि बड़े भाई श्रीबाबू (35) का पहला विवाह 2009 में शाहपुर साढ़ क्षेत्र में ननकी के साथ हुआ था। पहली पत्नी कई वर्षों पहले छोड़कर किसी अन्य रिश्तेदार के साथ चली गई थी। जिसके बाद श्रीबाबू अपने दो बेटियो ननकी तथा लली के साथ रहता था। 2018 मार्च में श्रीबाबू ने दूसरा विवाह शांति गौतम के साथ किया था। जानकारी के मुताबिक शांति ने भी अपने पहले पति को छोड़कर श्रीबाबू से विवाह किया था। जिनसे तीन बच्चे नित्या, अंकुश और अर्पित हुए। श्रीबाबू मेहनत मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करता था। परिजनों ने बताया कि करीब तीन माह पहले से एक अनजान व्यक्ति द्वारा फोन पर शांति से बात की जाती थी तथा वह उसी व्यक्ति के साथ जाने की जिद करते हुए आए दिन लड़ाई झगड़ा करती थी। महीनों से चली आ रही पारिवारिक कलह ने बीती रात बड़ा रूप ले लिया। बेटी लली ने बताया कि मम्मी-पापा का झगड़ा हो रहा था जिसके बाद हम चारों लोग सो गए थे। सुबह जब जगे तो पापा घर के बाहर छत की धन्नी से लटके हुए थे तथा मम्मी नीचे चारपाई पर पड़ी थीं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को बुलाकर जांच पड़ताल करते हुए साक्ष्य एकत्रित किए तथा दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

संक्षिप्त खबरें

पूर्वोत्तर रेलवे के पूर्व मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री गोविन्द बल्लभ

गोरखपुर, : पूर्वोत्तर रेलवे के पूर्व मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री गोविन्द बल्लभ का 01 अक्टूबर, 2025 को 86 वर्ष की आयु में पुणे में निधन हो गया। श्री गोविन्द बल्लभ के निधन पर पूर्वोत्तर रेलवे के जनसम्पर्क विभाग में आयोजित शोक सभा में मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री पंकज कुमार सिंह तथा सभी पर्यवेक्षकों एवं कर्मचारियों ने 02 मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। ज्ञातव्य है कि श्री गोविन्द बल्लभ ने पूर्वोत्तर रेलवे पर अपनी सेवायें देने के उपरान्त रेलवे स्टाफ कॉलेज, वडोदरा में प्रोफेसर, मंडल रेल प्रबन्धक/राजकोट, मंडल रेल प्रबन्धक/वडोदरा, प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबन्धक, उत्तर रेलवे के दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया। आपने दिल्ली एवं लखनऊ मेट्रो के ट्रैफिक एडवाइजर का भी दायित्व निभाया।

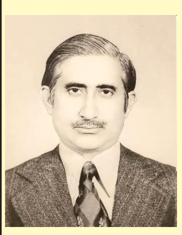

कटिहार-अमृतसर एक्सप्रेस भगवानपुर स्टेशन पर 05.48 बजे पहुंचकर 05.50 बजे छूट रही

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु 15707/15708 कटिहार-अमृतसर-कटिहार एक्सप्रेस का 02 मिनट का प्रायोगिक ठहराव पूर्व-मध्य रेलवे के सोनपुर मण्डल के भगवानपुर स्टेशन पर तत्काल प्रभाव से निम्नवत प्रदान किया जा रहा है।

-कटिहार से 05 अक्टूबर,2025 से चलने वाली 15707 कटिहार-अमृतसर एक्सप्रेस भगवानपुर स्टेशन पर 05.48 बजे पहुंचकर 05.50 बजे छूट रही है।

-अमृतसर से 05 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 15708 अमृतसर-कटिहार एक्सप्रेस भगवानपुर स्टेशन पर 13.48 बजे पहुंचकर 13.50 बजे छूट रही है।

नियमित होने के साथ ही गाड़ी के संख्या में परिवर्तन किया गया

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु पूर्व से चलाई जा रही 05297/05298 पाटलिपुत्र-बलिया-पाटलिपुत्र विशेष गाड़ी के संचलन को तत्काल प्रभाव से नियमित कर दिया गया। नियमित होने के साथ ही गाड़ी के संख्या में परिवर्तन किया गया है। अब यह गाड़ी 63333/63334 पाटलिपुत्र-बलिया-पाटलिपुत्र नम्बर से निर्धारित मार्ग, समय एवं ठहराव पर चलाई जा रही है।

2025 को सायं बर्थ/सीट की उपलब्धता निम्नवत है

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दीपावली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की सुविधा हेतु अनेक विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है। इन विशेष गाड़ियों में 06 अक्टूबर, 2025 को सायं बर्थ/सीट की उपलब्धता निम्नवत है।

-छपरा से चलने वाली 05049 छपरा-अमृतसर पूजा विशेष गाड़ी में 10 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 708 बर्थ तथा 17 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 773 बर्थ उपलब्ध है।

-छपरा से चलने वाली 05305 छपरा-आनन्द विहार टर्मिनल पूजा विशेष गाड़ी में 09 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 817 एवं शयनयान श्रेणी में 165 बर्थ, 13 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 823 एवं शयनयान श्रेणी में 194 बर्थ तथा 16 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 809 एवं शयनयान श्रेणी में 226 बर्थ उपलब्ध है।

-लालकुआँ से चलने वाली 05060 लालकुआँ-कोलकाता पूजा विशेष गाड़ी में 09 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 50, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 206 एवं शयनयान श्रेणी में 130 बर्थ, 16 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 02, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 27 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 71 बर्थ तथा 23 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 02 बर्थ उपलब्ध है।

-लालकुआँ से चलने वाली 05045 लालकुआँ-राजकोट पूजा विशेष गाड़ी में 12 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 30, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 107 एवं शयनयान श्रेणी में 186 बर्थ तथा 19 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 38, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 155 एवं शयनयान श्रेणी में 462 बर्थ उपलब्ध है।

-लालकुआँ से चलने वाली 04118 लालकुआँ-प्रयागराज जं. पूजा विशेष गाड़ी में 10 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 28, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 71 एवं शयनयान श्रेणी में 411 बर्थ, 17 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 23, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 45 एवं शयनयान श्रेणी में 332 बर्थ तथा 24 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 29, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 39 एवं शयनयान श्रेणी में 403 बर्थ उपलब्ध है।

-लालकुआँ से चलने वाली 04182 लालकुआँ-वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. (झांसी) पूजा विशेष गाड़ी में 08 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 27, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 66 एवं शयनयान श्रेणी में 368 बर्थ, 15 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 28, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 65 एवं शयनयान श्रेणी में 398 बर्थ, 22 अक्टूबर, 2025 को चलने वाली 04182 लालकुआँ-वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. (झांसी) पूजा विशेष गाड़ी के वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 17, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 64 एवं शयनयान श्रेणी में 368 बर्थ तथा 29 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 30, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 80 एवं शयनयान श्रेणी में 416 बर्थ उपलब्ध है।

-मऊ से चलने वाली 05301 मऊ-अम्बाला कैंट पूजा विशेष गाड़ी में 09 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 06, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 102, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 317 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 113 बर्थ, 16 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 06, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 100, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 328, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 102 एवं शयनयान श्रेणी में 236 बर्थ, 23 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 79, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 315 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 102 बर्थ तथा 30 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 01 एवं वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 21 बर्थ उपलब्ध है।

भारतीय महिला टीम की जीत से उत्साहित हुए इरफान पठान, बिना नाम लिए पाकिस्तान पर इस तरह कसा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। इरफान ने पाकिस्तान का नाम तो नहीं लिया, लेकिन उनका इशारा भारतीय टीम के दबदबे पर था। दरअसल, पिछले चार रविवार से लगातार भारत और पाकिस्तान के बीच भिड़ंत हो रही है और चारों ही बार भारतीय टीमों ने इस चिर प्रतिद्वंदी टीम को मात दी है। भारतीय महिला टीम ने पाकिस्तान पर अपना दबदबा बरकरार रखते हुए वनडे विश्व कप में अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की। पाकिस्तान की महिला टीम भारत के सामने वनडे में कभी जीत हासिल नहीं कर सकी है। दोनों टीमों के बीच इस प्रारूप में अब तक 12 बार भिड़ंत हुई है और सभी बार भारतीय टीम को सफलता मिली है। इस जीत के बाद पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने बिना नाम लिए पाकिस्तान पर तंज कसा है। गेंदबाजों के दम पर जीता भारत भारत ने पाकिस्तान को 88 रन से हराकर महिला विश्व कप में अपना अभियान जारी रखा है। इससे पहले हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व वाली टीम ने श्रीलंका को हराया था।

संक्षिप्त समाचार

कैंसर शिविर में 180 का उपचार

ग्वालियर। लायंस क्लब ऑफ ग्वालियर द्वारा रविवार को श्याम वाटिका में निशुल्क कैंसर, महिला स्वास्थ्य जांच एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। कैंसर अस्पताल के डॉ. बी.आर. श्रीवास्तव के निर्देशन में आयोजित हुए शिविर में लगभग 180 लोगों को स्वास्थ्य सलाह और जांच का लाभ मिला। इस अवसर पर सुनील गोयल, अजय चोपड़ा, रामकरण पारीक, विजय प्रताप सिंह, डॉ. विनोद जैन सहित अन्य मौजूद रहे।

निकाली कैंसर जागरूकता रैली

ग्वालियर। लायंस क्लब दिशा द्वारा निकाली गई रैली में सफेद परिधान में लायंस सदस्यों ने हाथों में कैंसर मुक्त भारत और जागरूकता ही सुरक्षा जैसे संदेश लिखे प्लेग पॉइंट से रमन केन कैंसर हॉस्पिटल तक मार्च किया। प्रमुख वक्ता डॉ. रमन केन ने कहा कि बायोप्सी से कैंसर फैलता है — यह एक भ्रम है, सच नहीं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि समय पर जांच और जागरूकता ही बचाव का सबसे बड़ा उपाय है। मुकेश बिरोनिया, अजय सप्रा, सुमन मदान, रजनी अग्रवाल एवं जुबेर रहमान उपस्थित रहे।

अग्रसेन मेला की सराहना

ग्वालियर। श्री अग्रवाल महासभा द्वारा महाराजा अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में 27 एवं 28 सितंबर को आयोजित दो दिवसीय अग्रसेन मेला की सराहना की गई। श्री अग्रवाल महासभा की बैठक अग्रसेन भवन तेजेंद्र नाथ की गली में अध्यक्ष सुरेश बंसल की मौजूदगी में आयोजित की गई। जिसमें महामंत्री रविकुमार गर्ग, कोषाध्यक्ष जेसी गोयल, संयोजकगण शैलेष जैन, ज्योति अग्रवाल, मनोज अग्रवाल बाबा, विनय अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल आदि उपस्थित थे। बैठक के उपरांत इनामी ड्रा के शेष विजेताओं को भी पुरस्कार वितरित किए गए।

विद्यार्थियों को सम्मानित किया

ग्वालियर। अखिल भारतीय लोधी राजपूत क्षत्रिय महासभा द्वारा रानी अवंतीबाई लोधी प्रतिमा से चार शहर का नाका से हजीरा,पड़ाव, मानसिंह तोमर प्रतिमा, दूरदर्शन चौराहा, गोले का मंदिर होते हुए बृज वाटिका तक चल समारोह निकाला गया। जिसमें समाज के 10वीं, 12वीं के 85प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले 110 विधार्थियों का सम्मान किया गया। समाज के 25 सेवानिवृत्त अधिकारियों का सम्मान किया गया। सांभागीय अध्यक्ष विक्रम लोधी द्वारा महाराजा मानसिंह तोमर की प्रतिमा पर एवं महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया।

करवा चौथ पर परंपरा और उत्साह का मिलन कराया

ग्वालियर। वूमेन ऑफ वर्थ समूह ने करवा चौथ के अवसर पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें 35 महिलाओं ने भाग लिया और परंपरा की महत्ता को जीवंत रूप में पेश किया। कार्यक्रम की एंकर वंदना जग्गी रहीं, जबकि मुख्य अतिथि पूनम सप्रा रहीं। कार्यक्रम में सुहाग की पोटलियां और चूड़ियां देकर महिलाओं को करवा चौथ की परंपरा समझाई गई। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में गायन में रानी ज्योति और नृत्य में प्रीति राही ने मन मोह लिया। रानी पायल और नेहा जैन ने पारंपरिक दिया जलाकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

न कोडिंग का पालन, न पुलिस की सख्ती, यातायात व्यवस्था फिर अव्यवस्थित

बेलगाम दौड़ रहे ई-रिक्शा, दो पालियों की व्यवस्था पूरी तरह चौपट

ग्वालियर

शहर की सड़कों पर ई-रिक्शा अब बेलगाम दौड़ रहे हैं। कभी यातायात सुधार की दिशा में लागू की गई दो पालियों की व्यवस्था अब पूरी तरह चौपट हो चुकी है। वाहनों पर न कोडिंग का पालन हो रहा है, न पुलिस की कार्रवाई। परिणामस्वरूप शहर की मुख्य सड़कों पर दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है।

जानकारी के अनुसार पिछले साल प्रशासन ने बढ़ते ट्रैफिक और अनियंत्रित ई-रिक्शा संचालन पर नियंत्रण के लिए विशेष व्यवस्था बनाई थी। इसमें सभी ई-रिक्शाओं को दो पालियों में चलाने का नियम लागू किया गया था। पहली पाली सुबह 3 बजे से दोपहर 3 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से रात 3 बजे तक। इस व्यवस्था के तहत ई-रिक्शाओं को नीले और पीले कलर कोड में बांटा गया था ताकि एक समय में आधे वाहन ही सड़कों पर रहें और ट्रैफिक का दबाव कम हो। शुरुआत में पुलिस ने इस नियम को सख्ती से लागू कराया। जिन रिक्शाओं ने कोडिंग नियमों का पालन नहीं किया, उन पर चालानी कार्रवाई भी हुई। कुछ समय तक व्यवस्था ठीक चली, लेकिन धीरे-धीरे निगरानी कमजोर पड़ने लगी। अब हालात यह है कि कोडिंग का पालन कोई नहीं कर रहा और ई-रिक्शा पूरे दिन शहर में बेधड़क दौड़ रहे हैं। जिस कारण महाराज बाड़ा, हजीरा, मुरार, फूलबाग, और स्टेशन रोड जैसे क्षेत्रों में तो स्थिति सबसे खराब है। हर चौराहे पर ई-रिक्शा खड़े रहते हैं और ट्रैफिक जाम आम बात हो गई है।

दो माह बाद परिवर्तन की व्यवस्था भी ठंडे बस्ते में

रिक्शा चालकों को समान अवसर देने के लिए यह तय किया गया था कि दो माह बाद दोनों पालियों में कोडिंग बदली जाएगी, ताकि कोई भी चालक व्यवसायिक नुकसान में न रहे। लेकिन यह व्यवस्था भी अब पूरी तरह ठंडे बस्ते में चली गई है। न कोड बदले जा रहे हैं, न रोटेशन प्रणाली लागू है।

6,500 से अधिक ई-रिक्शा दौड़ रहे शहर में

शहर में फिलहाल साढ़े छह हजार से अधिक ई-रिक्शा संचालित हो रहे हैं, जिनमें से करीब 5 हजार को कोडिंग दी गई थी। लेकिन आज यह कोडिंग सिर्फ नाम मात्र की रह गई है। न चेकिंग होती है, न यातायात पुलिस या परिवहन विभाग की टीम मैदान में दिखती है।

गलत संचालन से बिगड़ी व्यवस्था

शहरों में जाम की सबसे बड़ी दिक्कत ट्रैफिक सिग्नल की गलत टाइमिंग और ई-रिक्शा के अनियंत्रित संचालन से बनती है। कई चौराहों पर रेड लाइट का समय बहुत कम या ज्यादा है। यह कहना है कि अधिवक्ता मनोज सिंह सिसोदिया का। उन्होंने बताया कि शहर में बड़ी संख्या में ई-रिक्शे सड़कों पर धीमी गति से चलते हैं, नियमों का पालन नहीं करते, बीच सड़क में रुक जाते हैं और ओवरलोडिंग करते हैं। इससे ट्रैफिक का बहाव टूट जाता है और जाम बढ़ता है। उनका का कहना है कि इस समस्या का समाधान स्मार्ट सिग्नल सिस्टम, रियल-टाइम मॉनिटरिंग, ई-रिक्शा के लिए निश्चित स्टैंड और रूट का सख्ती से पालन कराए जाने हो सकता है।

शुक्ल के खिलाफ डाली पोस्ट, विरोध हुआ तो हटाई

Devendra Singh Chauhan is with Ashwani A Agariya and 13 others.

17m ·

कांग्रेस के एक नेता क्यों वर्षों तक मंत्री रहे उसके बाद वह बीएसपी में चले गए वहां उन्होंने बहुजन समाज पार्टी में बहुत आनंद उठाया फिर वह भाजपा में शामिल हो गए और वहां भी लाल बत्ती का आनंद लिया आप फिर दोबारा से कांग्रेस में आ गए हैं और जो हम पुराने कांग्रेसी हैं जो 30 40 साल कांग्रेस में रहे उनको अनुशासन का पाठ पढ़ा रहे हैं मेरी ऐसे सभी कट्टर कांग्रेसियों से निवेदन है कि ऐसे नेताओं का बहिष्कार करो

Anoop Shivhare Ajju + 5 · 5 comments

ग्वालियर

शहर कांग्रेस में एक दूसरे की टांग खिंचाई का दौर जारी है। महात्मा गांधी की जयंती पर दो अक्टूबर को कार्यक्रम के दौरान पूर्व मंत्री बालेंदु शुक्ल द्वारा कार्यकर्ताओं को अनुशासन का पाठ पढ़ाना कुछ नेताओं को नागवार गुजरा। जिसपर थाटीपुर ब्लाक के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह चौहान ने सोशल मीडिया पर लिख दिया कि यह नेता कांग्रेस में वर्षों तक मंत्री रहे, फिर बसपा में चले गए। इसके बाद भाजपा में जाकर बत्ती का आनंद लिया। अब हम जैसे 30-40 वर्ष पुराने कार्यकर्ताओं को अनुशासन का पाठ पढ़ा रहे हैं। ऐसे नेताओं का बहिष्कार करना चाहिए।

यह खबर स्वदेश में प्रकाशित होने के बाद शुक्ल समर्थक नाराज हो गए और देवेंद्र चौहान पर पोस्ट हटवाने के लिए दबाव बनाया। इसके लिए लगभग दो दर्जन नेताओं ने हस्ताक्षर कर एक पत्र कांग्रेस अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव के नाम लिखकर देवेंद्र चौहान पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की। हालांकि यह पत्र पहुंचने के पहले ही चौहान ने अपनी पोस्ट हटा ली। चौहान का कहना है कि मैंने अपना काम कर दिया फिर वरिष्ठ नेताओं के कहने पर पोस्ट हटा ली। शुक्ल के समर्थन में पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग करने वालों में लतीफ खान मल्लू, प्रेम सिंह कौरव, चतुर्भुज धनोलिया, राजीव शर्मा, आसिफ अली, रवि चौखोटिया, रंजीत तोमर, राजेश भदौरिया, नरेंद्र शर्मा, सुभाष गुप्ता, घनश्याम राजपूत, शुभम सिकरवार, नगर पाल, श्याम गौतम, रवि चौहान, धर्मेंद्र हरसाना आदि शामिल हैं।

पंद्रह वर्षीय किशोर को अगवा करने का प्रयास

ग्वालियर। पड़ोसी गांव से अपने घर जा रहे एक पंद्रह वर्षीय किशोर का बाइक सवार बदमाश ने धमकाकर अगवा करने का प्रयास किया। घटना तिघरा थाना क्षेत्र में छेटे के पुरा से वीर सिंह के पुरा के बीच रविवार की शाम साढ़े सात बजे की है। किशोर सतर्क था और आरोपी द्वारा उसे अगवा करने का प्रयास करते ही शोर मचा दिया। वहां से गुजर रहे राहगीर वहां पर पहुंचे तो आरोपी वहां से भाग निकला। मामले का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी की तलाश में जंगल में उतर गई है। पुलिस के अनुसार शाम करीब साढ़े सात बजे किशोर वापस घर आ रहा था। तभी एक युवक आया और अपने साथी को कॉल कर बताया कि लड़का मिल गया है और वह बाइक लेकर आ जाए। इसके बाद उसने किशोर को पकड़ने का प्रयास किया। अचानक हुई घटना से किशोर घबरा गया और शोर मचा दिया।

सोयाबीन किसानों को मिलेगा भावांतर भुगतान योजना का लाभ

ग्वालियर

जिले के सोयाबीन उत्पादक किसानों को भावांतर भुगतान योजना का लाभ दिलाने के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में रविवार को एसडीएम लश्कर नरेन्द्र बाबू यादव ने कृषि उपज मंडी लश्कर में मंडी व्यापारियों और उप-चालकों सहित अधिकारियों की बैठक ली। मंडी में सोयाबीन उत्पादक किसानों की मदद के लिए हेल्प डेस्क भी स्थापित किया गया।

जिले के 15 गांवों के लगभग 450 किसानों ने 715 हेक्टेयर में सोयाबीन की बुवाई की है। इन गांवों में आरौन, पाटई, करही, सबराई, मोहना, दौरार, बड़कागांव, बन्हेरी, बराहना, सेंकरा, दुरसेड़ी, धुंआ, झाड़ौली, महाराजपुरा और सिरसा शामिल हैं।

एसडीएम श्री यादव ने व्यापारियों से कहा कि पंजीकृत किसानों का एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) से कम कीमत पर बिकने पर घाटे की भरपाई भावांतर भुगतान योजना के तहत की जाएगी। किसानों का पंजीयन 3 अक्टूबर से शुरू हो चुका है और 17 अक्टूबर तक किया जा सकता है। पंजीयन सोसाइटी केंद्र, ग्राहक सेवा केंद्र, एमपी ऑनलाइन कियोस्क और एमपी किसान एप पर कराया जा सकता है। किसान 24 अक्टूबर 2025 से 15 जनवरी 2026 तक मंडी में सोयाबीन विक्रय कर योजना का लाभ ले सकेंगे। योजना के अनुसार, विक्रय मूल्य, एमएसपी और मॉडल भाव के आधार पर अंतर राशि सीधे किसान के आधार लिंक बैंक खाते में 15 दिवस में जमा कर दी जाएगी।

जिम या खेल से पहले वॉर्म-अप जरूरी: डॉ. सिंह

ग्वालियर

खिलाड़ियों और जिम करने वालों में कंधा उतरना एक आम समस्या बनती जा रही है। इसका प्रमुख कारण है वॉर्म-अप न करना है। यह बात मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद लंदन से आए डॉ. विजयेंद्र सिंह ने ग्वालियर ऑर्थोपेडिक सोसायटी द्वारा आयोजित किए गए शोल्डर आर्थोस्कोपी कोर्स में कही। उन्होंने बताया कि जिम या स्पोर्ट्स से पहले सही तरीके से वॉर्म-अप करने से कंधे सुरक्षित रहते हैं। डॉ. सिंह ने कहा कि युवाओं और खिलाड़ियों में कंधा उतरने के केस अधिक देखे जा रहे हैं। इसके प्राथमिक उपचार में सबसे पहले कंधे को सही जगह पर बैठाना जरूरी है। इसके बाद डॉक्टर की सलाह के अनुसार फिजियोथेरेपी और एक्सरसाइज कराई जाती है। अगर इन उपायों से सुधार नहीं होता तो दूरबीन पद्धति से शोल्डर का ऑपरेशन करना पड़ सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर 20 साल की उम्र से बार-बार कंधा उतर रहा है, तो सर्जरी की संभावना बढ़ जाती है। डॉ. सिंह ने चिकित्सकों को दूरबीन पद्धति से कंधे के ऑपरेशन करने की तकनीक सिखाई। कोर्स में दो लाइव शोल्डर ऑपरेशन भी किए गए। सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. आरएस बाजोरिया ने बताया कि इस तकनीक में मरीज के कंधे पर केवल छोटा चीरा लगाकर ऑपरेशन किया जाता है, जिससे रिकवरी जल्दी होती है और दर्द कम रहता है। इस अवसर पर डॉ. राजीव दुबे, डॉ. सुरेन्द्र यादव, डॉ. जेपीएस कुशवाह, डॉ. सचिन जैन, डॉ. संदीप वाजपेई, डॉ. आशीष दुबे सहित अन्य मौजूद रहे।

निलंबित छात्रों के कमरों को किया सील

ग्वालियर। गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय के सरस्वती और रविशंकर छात्रावास के छात्रों के बीच हुए झगड़े में अधिष्ठाता डॉ. आरकेएस धाकड़ ने गंभीरता से लिया और झगड़े में शामिल छात्रों की पहचान कर तुरंत कार्रवाई शुरु कर दी। झगड़े में शामिल दोनों छात्रावास के 40 छात्रों को क्लास से निलंबित कर दिया गया है। इसके साथ ही उन्हें छात्रावास में रहने की अनुमति नहीं दी गई और उनके कमरे सील कर दिए गए हैं। अधिष्ठाता ने कहा कि छात्रों को पहले ही चेतावनी दी गई थी, लेकिन उन्होंने अनैतिक और अनुशासनहीन व्यवहार जारी रखा। डॉ. धाकड़ ने छात्रों को स्पष्ट किया कि इस तरह की गुंडागर्दी भविष्य के डॉक्टरों के लिए शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि माता-पिता को इस घटना की जानकारी होना जरूरी है ताकि वे भी अपने बच्चों की हरकतों से अवगत हों। अधिष्ठाता ने छात्रों से कहा कि उन्हें अपने माता-पिता के साथ 11 अक्टूबर को कॉलेज में उपस्थित होना होगा, ताकि इस मामले पर आगे चर्चा और समाधान किया जाएगा। इसलिए सभी की निगाहें 11 अक्टूबर पर टिकी है, जब माता-पिता उपस्थित होंगे और यह तय होगा कि छात्रों के खिलाफ अग्रिम अनुशासनात्मक कदम क्या होंगे।

विनय नगर में सड़कों पर सीवर के खिलाफ प्रदर्शन

ग्वालियर

ग्वालियर में लगातार चल रही विकास कार्यों की बैठक के बाद भी हालात सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र के विनय नगर में सड़कों पर सीवर का गंदा पानी भरा रहता है।इस समस्या को लेकर कांग्रेस ने रविवार को मानव श्रृंखला बनाकर विरोध प्रदर्शन किया।

क्षेत्रीय निवासियों ने बताया कि विनय नगर में विगत कई महीनों से सीवर समस्या विकराल है। घरों के सामने सड़क पर सीवर का गंदा पानी भरा रहता है। कांग्रेस के प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा के नेतृत्व में आमजन एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मानव श्रृंखला बनाकर विरोध प्रदर्शन किया। श्री शर्मा ने कहा कि मंदिर में बुजुर्ग माता बहने पूजा करने जाते हैं लेकिन सीवर के गंदे पानी के कारण बहुत मुश्किल होती है।बच्चे भी स्कूल इसी सीवर के पानी से होकर निकलने को मजबूर हैं। बदबू एव मच्छरों से आमजन बेहाल है। लगातार निगम प्रशासन को अवगत कराने के बाद भी समस्या हल नहीं की जा रही हैं। भाजपा शासन ग्वालियर को स्मार्ट सिटी बनाने की बात करता है जबकि धरातल पर ग्वालियर को बदहाल सिटी बना दिया है। शर्मा ने कहा शीघ्र समस्या का निराकरण नहीं हुआ तो निगम मुख्यालय का घेराव करेंगे। प्रदर्शन में ब्लॉक अध्यक्ष उपेंद्र राजपूत, विक्रम शर्मा, भानु शर्मा, पूरन कुशवाहा,धर्मवीर राठौर, सौरभ तिवारी, महेश कुशवाहा, सीताराम दुबे, संतोष राठौर, सुरेश श्रीवास्तव, बृजेश मिश्रा, मुन्ना लाल खरे, हरी वर्मा राहुल गुप्ता, राकेश कुशवाह आदि शामिल हैं।

पत्नी पर हमला करने वाले की तलाश, नहीं मिला

ग्वालियर। उपनगर ग्वालियर में पत्नी का गला दबाने की कोशिश और चाकू से हमला करने वाले को तलाश कर रहे है। कई स्थानों पर दबिश के बाद भी वह पुलिस के हाथ नहीं आया है। उल्लेखनीय है कि रमटापुरा निवासी महिला भूरी बाथम पति से अलग होकर चार शहर का नाका पर किराए से रह रही है। इसका पति कमल बाथम उर्फ कल्लू शंका करता है और आए दिन उसके साथ मारपीट करता था। रोज की किचकिच से परेशान होकर भूरी बाथम अपनी बेटी के साथ किराए का घर लेकर अलग रहने लगी है। शनिवार को वह काम पर जाने के लिए निकली और होटल फ्लाइन के सामने पहुंची थी तभी उसके पति कल्लू ने रास्ता रोक लिया और उसके गले में हाथ डालकर चाकू से नाक काट दी। महिला की नाक कटते ही उसने शोर मचाया तो आस-पास लोगों की भीड़ जमा होने लगी। भीड़ देखते ही आरोपी कल्लू बाथम जान से मारने की धमकी देते हुए, मौके से भाग निकला। पुलिस टीम ने इसको तलाशने के लिए कई स्थानों पर दबिश दी लेकिन वह नहीं मिला।

नेशनल मेडिकल कमीशन ने जारी किए आदेश

एनिमल बाइट एक्सपोजर रजिस्टर रखना अनिवार्य

ग्वालियर

गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय में अब एनिमल बाइट एक्सपोजर रजिस्टर रखना अनिवार्य होगा। नेशनल मेडिकल कमिशन नई दिल्ली ने इस संबंध में प्रदेश भर के चिकित्सा महाविद्यालयों को निर्देश दिए हैं। निर्देश में मरीजों का पूरा विवरण दर्ज किए जाने की बात कही गई है। इसमें मरीज का नाम, पता, मोबाइल नंबर, घटना स्थल, लक्षण, घाव की संख्या व स्थिति के साथ-साथ काटने वाले जानवर का नाम भी रिकॉर्ड करना होगा।

यह रिकॉर्ड इंटीग्रेटेड डिजीज सर्विलांस प्रोजेक्ट के अंतर्गत इंटीग्रेटेड हेल्थ इंफॉर्मेशन प्लेटफॉर्म पर पोर्टल पर दर्ज करना होगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य एनिमल बाइट के मामलों पर सटीक निगरानी, डेटा संग्रह और प्रबंधन सुनिश्चित करना है। नेशनल मेडिकल कमिशन ने चिकित्सा महाविद्यालयों के अधिष्ठाता को पत्र भेजकर समय पर मामलों के प्रबंधन, प्रशिक्षण और सामुदायिक जागरूकता के लिए एक्शन प्लान बनाने के निर्देश भी दिए हैं। प्रशिक्षण में वरिष्ठ व जूनियर चिकित्सक शामिल होंगे, ताकि सभी स्तर के चिकित्सक जागरूक और तैयार रहें। वहीं अधिकारियों का कहना है कि इस कदम से श्वान या अन्य जानवर के काटने के मामलों का त्वरित इलाज, निगरानी और भविष्य में संभावित संक्रमण से बचाव सुनिश्चित होगा। यह पहल न केवल मरीजों के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करेगी, बल्कि शहर में जागरूकता फैलाने और रोग नियंत्रण के प्रयासों को भी मजबूती देगी।

वरिष्ठ पत्रकार अग्रवाल की स्मृति में कराया भोज

ग्वालियर। शहर के कई अखबारों में व्यापार संवाददाता के रूप में कार्यरत रहे वरिष्ठ पत्रकार स्व. रामकिशोर अग्रवाल की प्रथम पुण्यतिथि पर सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल के सामने भोजन वितरण एवं श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। जिसमे वरिष्ठ पत्रकार केशव पाण्डेय, सुरेश सम्राट, प्रदीप मांढरे सहित दाल बाजार व्यापारी संघ के अध्यक्ष दिलीप पंजवानी ने उनकी स्मृतियां साझा कीं। इस अवसर पर आचरण के प्रधान सम्पादक असद कुरैशी, सुरेश शर्मा, प्रदीप तोमर, हरपाल चौहान, भूपेंद्र जैन, गोविन्द राय सिंह, संतोष अग्रवाल, मनीष बलेचा, मनिन्द्र जैन आदि उपस्थित रहे। संचालन निर्मल जैन ने किया।

युवाओं को बताए प्रभावी वक्तव्य के गुर

ग्वालियर

गुरुकुल ड्रीम फाउंडेशन द्वारा इफैक्टिव पब्लिक स्पीकिंग वर्कशॉप का आयोजन ग्रैब स्पेस कोवर्किंग में किया गया। इस वर्कशॉप में बतौर ट्रेनर जेसीआई ट्रेनर संजीव निगोतिया एवं स्वप्निल शर्मा मौजूद रहे।

दोनों विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को प्रभावी सार्वजनिक वक्तव्य की तकनीकें, शारीरिक भाषा (बॉडी लैंग्वेज), मंच पर आत्मविश्वास के साथ बोलने की कला तथा श्रोताओं से जुड़ाव बनाने के व्यावहारिक तरीके सिखाए। वर्कशॉप के दौरान युवाओं ने मंच पर प्रस्तुति दी और प्रशिक्षकों से

प्रत्यक्ष संवाद कर अपनी शंकाओं का समाधान पाया। वर्कशॉप संयोजक लावण्या शर्मा एवं कृष्णा महेश्वरी ने बताया कि गुरुकुल ड्रीम फाउंडेशन निरंतर ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा ताकि युवा अपने व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व कौशल और करियर उन्नति की दिशा में आगे बढ़ सकें। इस अवसर आकाश त्रिपाठी, जयेश श्रीवास्तव,आशुतोष शर्मा,प्रीति शाह ,अभय सिकरवार,,अग्निमा तोमर , निकिता राजपूत, अरमान खान,आकाश बरूआ आदि सदस्य मौजूद रहे।

मंत्र भारत

ग्वालियर-मंगलवार,07 अक्टूबर 2025

सम्पादकीय

मासूम मौतें, बेफिक्र सरकार

भाजपा शासित मध्यप्रदेश और राजस्थान में पिछले एक महीने में कम से कम 15 बच्चों की मौत केवल इसलिए हुई है क्योंकि उन्हें दवा के नाम पर जहर पीने को मिला। यूं तो निदोर्षों की अकाल मौत पर दुख होता है, नाराजगी होती है, लेकिन मासूम बच्चे जब सरकारी लापरवाही का शिकार होकर दम तोड़ें तो दुख और नाराजगी के साथ बेबसी भी जाहिर होती है कि आखिर हम किस तरह के शासन में रह रहें हैं, जहां कुछ लोगों के लालच और फायदे में मासूमों की जान चली जाए और इस पर केवल अफसोस की रस्म अदायगी हो। दोनों जगह भाजपा की सरकार है तो अब इस्तीफे की उम्मीद करना बेकार है। याद करें, उत्तरप्रदेश में इसी तरह ऑक्सीजन की कमी से कई बच्चों की मौत हो गई थी और बजाय दोषियों को सजा देने के, इसमें भी हिंदू-मुसलमान का एंगल तलाश लिया गया। अब मध्यप्रदेश और राजस्थान में भी कांग्रेस भाजपा सरकार के मंत्रियों से इस्तीफे तो मांग रही है, लेकिन इस मांग की कहीं सुनवाई नहीं होगी, यह तय है। कायदे से तो देश का प्रधानमंत्री होने के नाते नरेन्द्र मोदी को खुद इस पर संज्ञान लेना चाहिए। उन्हें पं.नेहरू की तरह बच्चों का पसंदीदा बनने का बड़ा ख्वाब है, इसीलिए परीक्षा पर चर्चा करते हैं, अपनी रैलियों में बच्चों से मिलते हैं, लेकिन नेहरूजी या शास्त्रीजी की तरह नैतिक हिम्मत दिखाकर शासन नहीं कर सकते। वैसे भी श्री मोदी का सारा ध्यान इस समय बिहार चुनाव पर लगा है, इसके बाद तमिलनाडु, केरल, प.बंगाल, असम पर फोकस चला जाएगा। मध्यप्रदेश और राजस्थान तो भाजपा जीत ही चुकी है, इसलिए अब यहां कुछ भी होता रहे, कम से कम अगले चुनावों तक उसे फर्क नहीं पड़ेगा। मध्यप्रदेश और राजस्थान में कफ सिरप पीने के बाद बच्चों की मौत हुई है। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में 7 सितंबर से 2 अक्टूबर के बीच कुल 11 बच्चों की किडनी खराब होने से मौत हो चुकी है, और कम से कम पांच बच्चे अस्पताल में भर्ती हैं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। बताया जा रहा है कि ज्यादातर बच्चों की मौत किडनी को चोट पहुंचने से हुई है। बच्चों की रीनल बायोप्सी जांच के बाद यह पता चला था कि किसी जहरीले पदार्थ से किडनी को चोट पहुंची और उसने काम करना बंद कर दिया जिसके बाद बच्चों की मौत हुई। इन बच्चों ने कफ सिरप पी थी और उसमें ही जहरीला पदार्थ होने की बात सामने आई है। कोल्ड्रिफ नाम के इस कफ सिरप में अत्यधिक जहरीली रसायन डायथाइलीन ग्लाइकॉल की मौजूदगी पाई गई। इसके बाद शनिवार को मध्यप्रदेश सरकार ने इस सिरप की बिक्री, वितरण और निपटान पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया। यह फैसला लैब टेस्ट की रिपोर्ट के आधार पर लिया गया, जिसमें सिरप को श्अधिकारिक रूप से खराब और मिलावटीश घोषित किया गया। कोल्ड्रिफ को तमिलनाडु के एक संयंत्र में बनाया जा रहा था। जब तमिलनाडु सरकार में इसकी शिकायत की गई तो फौरन ही सिरप की जांच कराई थी, जिसमें पाया गया कंपनी गलत ढंग से सिरप को तैयार कर रही थी। इसके बाद तमिलनाडु सरकार ने 1 अक्टूबर 2025 को ही इस सिरप की बिक्री पर रोक लगा दी, क्योंकि इसमें तमाम जानलेवा बैक्टीरिया छोटे बच्चों की मौत की वजह बने। लेकिन बताया जा रहा है कि तमिलनाडु सरकार की जांच रिपोर्ट जब सार्वजनिक हुई तो केंद्र सरकार की एजेंसियों ने तमिलनाडु सरकार की रिपोर्ट को झुठलाने की कोशिश की। बेशक यह कफ सिरप तमिलनाडु के कांचीपुरम जिले में स्थित श्रीसन फार्मास्युटिकल्स में बन रहा था। लेकिन कंपनी पर कार्रवाई का अधिकार केंद्र सरकार और केंद्रीय एजेंसियों के पास है। लिहाजा कार्रवाई की पहल वहीं से होनी चाहिए थी। तमिलनाडु के ड्रग कंट्रोलर ने कहा कि केंद्र सरकार को इस जांच रिपोर्ट से अवगत कराया गया लेकिन वहां से कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। गनीमत यह है कि मध्यप्रदेश और राजस्थान सरकार ने अब ऐसे विषाक्त कफ सिरप पर रोक लगाई है और बच्चों की मौत पर अफसोस भी जाहिर किया है। लेकिन इससे जिम्मेदारी पूरी नहीं हो जाती। तमिलनाडु सरकार ने जब दवा की जांच एक दिन में पूरी कर रिपोर्ट जारी कर दी, तो मध्यप्रदेश और राजस्थान में यही काम पहले क्यों न हो सका। क्यों बिना जांच के दवा सरकारी अस्पतालों तक पहुंची। बच्चों के मामले में तो खिलौनों, कपड़ों, जूतों से लेकर खाने-पीने के सामान तक अतिरिक्त सावधानी बरती जाती है, क्योंकि उन्हें सही या गलत, ठीक या खराब गुणवत्ता की परख नहीं होती है। मासूम बच्चे ये भी नहीं बता पाते कि उन्हें किस चीज के सेवन से तबियत ठीक नहीं लग रही है। इस बारे में माता-पिता अनुमान लगाते हैं और डॉक्टरों के भरोसे ही रहते हैं। डॉक्टरों ने जो दवा लिखकर दे दी, उस पर आंख मूंदकर यकीन करते हुए अपने बच्चों को पिला देते हैं। लेकिन मध्यप्रदेश और राजस्थान में इस यकीन को ऐसा चकनाचूर किया गया कि मां-बाप को जीवन भर का दुख दे गया। क्या फर्क पड़ता है कि अब कितनी दवाओं को प्रतिबंधित किया गया है, कितने डॉक्टरों का निलंबन हुआ है। मासूमों की मौत पर समाज में जो बड़े पैमाने पर उद्वेलन दिखना चाहिए था, वह नदारद है।

जनता को किया वोटिंग से किनारा, विपक्ष ने नकारा, इस मुल्क के चुनाव को क्यों बताया जा रहा मजाक?

एक ऐसा चुनाव जिसमें शायद किसी बदलाव की उम्मीद नहीं। सीरिया में संसदीय चुनाव हुए। देश के लंबे समय से निरंकुश नेता बशर अल-असद के विद्रोही आंदोलन के बाद सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद ये पहला चुनाव है। असद वंश के 50 साल के शासन के दौरान, सीरिया में नियमित चुनाव होते थे जिनमें सभी नागरिक मतदान कर सकते थे। हालाँकि, असद के नेतृत्व वाली बाथ पार्टी का संसद पर दबदबा था और

मतदान को व्यापक रूप से दिखावटी चुनाव माना जाता था। सीरिया के लोग चुनाव के बाद भी पूर्ण लोकतंत्र से चूक जाएँगे। सीरिया में हुए इस पहले चुनाव पर विवाद भी हो रहा है। वह इसलिए, क्योंकि यह लोकतांत्रिक तरीके से नहीं हो रहे हैं। इसमें जनता ने वोट नहीं डाला है। आलोचकों का कहना है कि इससे सत्ता के सीरिया के नए शासकों के हाथों में ही केंद्रित रहने की संभावना है। पीपुल्स असेंबली की अधिकांश सीटें जिलों के निर्वाचक मंडलों द्वारा चुनी जाएँगी, जबकि एक-तिहाई सीटों पर अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा नियुक्त होंगे। नई संसद भविष्य के चुनावों की तैयारी करते हुए 30 महीने का कार्यकाल पूरा करेगी। चुनाव प्रक्रिया पर क्यों उठ रहे सवाल? सीरिया की नई संसद में 210 सदस्य हैं। इनमें से 140 सीटों पर 7,000 इलेक्टोरल कॉलेज सदस्य मतदान कर रहे हैं। ये सदस्य सरकार द्वारा नियुक्त किए गए हैं। शेष 70 सदस्य अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा सीधे नियुक्त करेंगे। राष्ट्रपति शरा द्वारा नियुक्त 70 सीटों के जरिए महिलाओं, अल्पसंख्यकों और सहयोगी वर्गों को प्रतिनिधित्व देने की बात कही गई है, पर आलोचकों के मुताबिक यही सीटें सरकार की स्थायी बहुमत सुनिश्चित करेंगी। मतदान 5 अक्टूबर को हुआ। अंतिम परिणाम 7 अक्टूबर को अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में जारी करेंगे। 70 सीटें शरा की नियुक्ति से भरी जाने के कारण संसद में शरा समर्थकों की निर्णायक जीत तय मानी जा रही है। लोगों ने क्यों नहीं डाला वोट? उम्मीद थी कि जब चुनाव होंगे तो जनता भी वोट डालेगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अंतरिम सरकार का कहना है कि लगभग 14 साल के गृहयुद्ध और व्यक्तिगत दस्तावेजों के नुकसान के कारण लाखों सीरियाई लोगों के विस्थापन के कारण, इस समय एक सटीक मतदाता सूची बनाना और लोकप्रिय वोट का आयोजन करना असंभव है। इसलिए अभी आम लोगों को वोटिंग का अधिकार नहीं मिला है। सीधे जनमत कराने की बजाय यह सीमित प्रक्रिया अपनाई गई है। आलोचकों ने लोकप्रिय वोट के अभाव को अलोकतांत्रिक बताया है, हालाँकि कुछ विश्लेषक सरकार के तर्क को सही मानते हैं। अरब रिफॉर्म इनिशिएटिव और चैथम हाउस के वरिष्ठ शोध अध्येता ने इस बात पर जोर दिया कि निर्वाचकों के चुनाव के तरीके में स्पष्टता का अभाव है। उन्होंने कहा खासकर जब उपसमितियों और निर्वाचक मंडलों के चुनाव की बात आती है, तो कोई निगरानी नहीं होती, और यह प्रक्रिया संभावित रूप से हेरफेर की चपेट में है। उन्होंने आगे कहा कि चुनाव अधिकारियों ने बिना किसी स्पष्टीकरण के प्रकाशित सूचियों से नाम हटा दिए, जिससे आलोचनाएँ बढ़ गईं। समावेशिता और प्रतिनिधित्व संबंधी चिंताएँ संसद में महिलाओं या धार्मिक एवं जातीय अल्पसंख्यकों के लिए कोई निश्चित कोटा नहीं है। निर्वाचक मंडल के सदस्यों में महिलाओं की संख्या 20% होनी चाहिए, लेकिन इससे उम्मीदवारों या निर्वाचित सदस्यों के बीच समान प्रतिशत की गारंटी नहीं मिलती। सरकारी समाचार एजेंसी रअठअ के अनुसार, राष्ट्रीय चुनाव समिति के प्रमुख मोहम्मद ताहा अल-अहमद के हवाले से, अंतिम सूची में शामिल 1,578 उम्मीदवारों में से 14% महिलाएँ हैं। कुछ ज़िलों में, 30-40% महिलाएँ उम्मीदवार हैं, जबकि अन्य में एक भी नहीं है। स्वीडा और कुर्द-नियंत्रित क्षेत्रों को बाहर रखे जाने से अल्पसंख्यक प्रतिनिधित्व को लेकर चिंताएँ बढ़ गई हैं। हाल ही में हुई सांप्रदायिक हिंसा में अलावी और ड्रूज समुदायों के सैकड़ों नागरिक मारे गए हैं, जिनमें से कई की मौत सरकार से जुड़े लड़ाकों के हाथों हुई है। असद की पार्टी और विद्रोही दोनों ने चुनाव को नकारा हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस): उत्तर-पश्चिमी सीरिया में सक्रिय यह संगठन चुनावों को 'दमिश्क की सत्ता का नाटक' बता रहा है। उसका कहना है कि अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा की सरकार देश के वास्तविक प्रतिनिधित्व से कोसों दूर है, क्योंकि उसने जनता को वोट का अधिकार ही नहीं दिया। वहीं असद समर्थक गुट बशर अल-असद की पार्टी ने इसे 'कठपुतली चुनाव' कहा है। उनका आरोप है कि शरा सिर्फ पश्चिमी देशों की मदद से सत्ता में आया और अब वैधता साबित करने के लिए दिखावटी प्रक्रिया चला रहा है। रूस-चीन और ईरान ने दिया समर्थन रूस और चीनः दोनों देशों ने इन चुनावों को सीरिया की स्थिरता की दिशा में आवश्यक कदम बताया है। उनका कहना है कि युद्धग्रस्त देश में तुरंत जनमत संग्रह असंभव है, इसलिए अंतरिम संरचना ही व्यावहारिक विकल्प है। ईरान ने शरा सरकार को सीरिया के पुनर्निर्माण का केंद्र मानते हुए कहा कि चुनाव देश में राजनीतिक निरंतरता की गारंटी हैं और विपक्ष को समय के साथ शामिल किया जाएगा। अब आगे क्या होगा? अभी भी पीपुल्स असेंबली की 32 सीटें खाली ही रहेंगी। वह इसलिए क्योंकि सीरिया के सुवैदा और उत्तर-पूर्वी प्रांत में वोटिंग नहीं हुई। इन प्रांतों में कुर्दिश लड़ाकों का दबदबा है। इसलिए अभी यहां वोटिंग नहीं करवाई गई है। कुल मिलाकर, 210 सीटों में से 178 सदस्यों के साथ सीरिया की सरकार चलेगी। सोमवार या मंगलवार तक चुनाव नतीजे घोषित कर दिए जाएंगे। नई संसद के लिए जिन सदस्यों को चुना जाएगा, उनका कार्यकाल 30 महीने का होगा। ऐसा इसलिए ताकि चुनाव तैयारियों के लिए समय मिल सके। बताया जा रहा है कि इसके बाद आम चुनाव कराए जा सकते हैं।

पार्टी का नाम 'आम आदमी पार्टी' लेकिन काम अमीरों को राज्यसभा सांसद बनाना

वर्ष 2018 में इन्ही अरविंद केजरीवाल ने आशुतोष और कुमार विश्वास जैसे पार्टी के दिग्गज नेताओं को नजरअंदाज करके एनडी गुप्ता और सुशील गुप्ता को राज्यसभा भेजा था। तब से लेकर आज तक केजरीवाल के रवैए, जिद और मनमाने फैसले लेने की आदत में कोई बदलाव नहीं आया है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब से राज्यसभा के लिए खाली हुई सीट से मशहूर उद्योगपति राजिंदर गुप्ता को उम्मीदवार घोषित कर दिया है। इसी के साथ एक बार फिर से वही पुराना सवाल खड़ा हो गया है कि पार्टी का नाम 'आम आदमी पार्टी' लेकिन काम अमीरों को राज्यसभा सांसद बनाना है। आखिर अरविंद केजरीवाल को हर बार राज्यसभा भेजने के लिए अमीर उद्योगपति ही क्यों पसंद आते हैं ? क्या आम आदमी के नाम पर राजनीति करने वाले केजरीवाल के पास कोई ऐसा आम आदमी नहीं है जिन्हें वो राज्यसभा सांसद बना सके। वर्ष 2018 में इन्ही अरविंद केजरीवाल ने आशुतोष और कुमार विश्वास जैसे पार्टी के दिग्गज नेताओं को नजरअंदाज करके एनडी गुप्ता और सुशील गुप्ता को राज्यसभा भेजा था। तब से लेकर आज तक केजरीवाल के रवैए, जिद और मनमाने फैसले लेने की आदत में कोई बदलाव नहीं आया है। इस बार भी आम आदमी पार्टी ने पंजाब के सबसे अमीर व्यक्तियों में से एक और देश के प्रमुख उद्योगपति राजिंदर गुप्ता को 24 अक्टूबर को होने वाले राज्यसभा उपचुनाव के लिए अपना उम्मीदवार

घोषित किया है। पंजाब विधानसभा में आम आदमी पार्टी का बहुमत है इसलिए राजिंदर गुप्ता को राज्यसभा सांसद बनने से कोई रोक नहीं सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो, राजिंदर गुप्ता पंजाब के सबसे अमीर लोगों में से एक हैं। उनकी कुल संपत्ति 1.2 बिलियन डॉलर यानी लगभग 10 हजार करोड़ रुपए है। यह सीट जिन संजीव अरोड़ा के इस्तीफे के कारण खाली हुई है, वह भी एक उद्योगपति ही हैं। संजीव अरोड़ा का राज्यसभा सांसद का कार्यकाल अप्रैल, 2028 तक था। लेकिन कार्यकाल खत्म होने से पहले ही उन्हें पंजाब की लुधियाना वेस्ट विधानसभा सीट से चुनाव लड़वा दिया गया। विधायक बनने के बाद केजरीवाल के कहने पर भगवंत मान ने उन्हें अपनी सरकार में मंत्री बना दिया। आज तक यह सवाल एक अबूझ पहेली बना हुआ है कि, आखिर संजीव अरोड़ा में ऐसी क्या खासियत थी कि अरविंद केजरीवाल ने पहले उन्हें राज्यसभा सांसद बनवाया और फिर बीच में ही इस्तीफा दिलवा कर भगवंत मान की सरकार में मंत्री बनवा दिया। यह भी एक अबूझ पहेली ही बनी रहेगी कि उद्योगपति संजीव अरोड़ा के इस्तीफे से खाली हुई राज्यसभा सीट पर चुनाव लड़ने के लिए उद्योगपति राजिंदर गुप्ता को ही क्यों चुना गया? अब जरा इस तथ्य पर भी गौर कीजिए कि, पंजाब में राज्यसभा की 7 सीटें हैं, जिनमें से एक पर होने जा रहे उपचुनाव के लिए राजिंदर गुप्ता को उम्मीदवार बनाया गया है। जबकि छह अन्य आप राज्यसभा सांसदों की बात करें तो इसमें राघव चड्ढा और संदीप कुमार पाठक के अलावा आप के अन्य सांसदों में एक निजी विश्विद्यालय के मालिक अशोक कुमार मित्तल, उद्योगपति विक्रमजीत सिंह और मशहूर क्रिकेटर हरभजन सिंह जैसे व्यक्ति शामिल हैं। ऐसे लोगों को राज्यसभा भेजने से पहले केजरीवाल को कम से कम अपनी पार्टी के कैडर को यह तो बताना ही चाहिए कि आखिर अशोक कुमार मित्तल, विक्रमजीत सिंह , हरभजन सिंह और अब राजिंदर गुप्ता जैसे लोगों ने आम आदमी और आम आदमी पार्टी के लिए क्या किया है?

देश की जनसंख्या प्रगति का पैमाना या अवरोध की अवधारणा

संजीव ठाकुर

भारत की जनसंख्या अब मात्र एक आँकड़ा नहीं, बल्कि एक चुनौती और अवसर दोनों का प्रतीक बन चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में भारत ने लगभग 142.86 करोड़ (1.4286 अरब) की आबादी के साथ चीन को पीछे छोड़ते हुए विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बनने का गौरव प्राप्त किया। लेकिन यह उपलब्धि जितनी गौरवशाली है, उतनी ही चिंताजनक भी। जनसंख्या वृद्धि दर अभी लगभग 0.81ः है और कुल उर्वरता दर 2.0 पर स्थिर हो गई है, जो प्रतिस्थापन दर (2.1) के करीब है। भारत की लगभग 68ः आबादी कार्यशील आयु वर्ग (15द्द64 वर्ष) में है, जो विश्व की सबसे बड़ी युवा शक्ति का निर्माण करती है। यह स्थिति भारत के लिए ह्लजनसंख्या लाभांशह्न का अवसर प्रस्तुत करती है, बशर्ते कि इसे शिक्षा, कौशल और रोजगार की दिशा दी जाए। यदि यह जनसंख्या शिक्षित, प्रशिक्षित और उत्पादक बनी तो यही भारत को आर्थिक महाशक्ति बना सकती है, परंतु यदि यही जनसंख्या बेरोजगारी, अशिक्षा और संसाधनों के अभाव में उलझी रही, तो यही राष्ट्र के लिए बोझ भी बन सकती है। नंतभारत की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि प्रत्येक वर्ष लाखों युवक श्रमबाजार में प्रवेश करते हैं, परंतु उनके लिए पर्याप्त रोजगार के अवसर नहीं बन पाते। पीरियाडिक लेबर फोर्स सर्वेक्षण (च्स्थ्) 2023-24 के अनुसार 15 वर्ष से ऊपर की आबादी में बेरोजगारी दर 3.2ः रही, जबकि

युवाओं (15द्द29 वर्ष) में यह बढ़कर 10.2ः तक जा पहुँची। कार्यशील आयु वर्ग में लगभग 64.33 करोड़ लोग हैं, परंतु संगठित क्षेत्र में उनका समुचित उपयोग नहीं हो पा रहा। उदाहरण के तौर पर किसी ग्रामीण क्षेत्र के दस हजार युवा जब शहरों की ओर रोजगार की तलाश में जाते हैं, तो उनमें से मुश्किल से दो हजार को ही अस्थायी या कम वेतन वाली नौकरी मिल पाती है। शेष बेरोजगार या असंगठित क्षेत्र में अल्प आय पर कार्यरत रह जाते हैं। परिणामस्वरूप गरीबी, कुपोषण और सामाजिक तनाव की स्थिति बढ़ती है, जो राष्ट्र की विकास गति को धीमा करती है। भारत की विशाल जनसंख्या के कारण जल, भूमि, ऊर्जा और खनिज जैसे प्राकृतिक संसाधनों पर असंतुलित दबाव बढ़ता जा रहा है। बढ़ती आबादी के साथ इनका अति-दोहन जल संकट, भूमि क्षरण और ऊर्जा की कमी जैसी गंभीर समस्याएँ उत्पन्न कर रहा है। महानगरों में रोजगार की तलाश में पलायन से झुग्गी-झोपड़ियाँ फैल रही हैं, यातायात और प्रदूषण का संकट बढ़ रहा है तथा जीवन स्तर गिरता जा रहा है। बढ़ती जनसंख्या का सबसे बड़ा प्रभाव पर्यावरण पर पड़ता है कृ प्रदूषण, वनों की कटाई, कचरे का बढ़ता ढेर और ग्रीनहाउस गैसों का अत्यधिक उत्सर्जन अब चिंता का वैश्विक विषय बन चुका है। जब समाज का बड़ा हिस्सा भोजन, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से वंचित रहता है, तो स्वाभाविक रूप से असंतोष, असुरक्षा और अपराध में वृद्धि होती है, जिससे सामाजिक समरसता कमजोर पड़ती है। चीन ने इस समस्या के समाधान केलिए ह्लवन चाइल्ड पॉलिसीह्न जैसी कठोर नीति अपनाई थी, जबकि भारत ने लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप परिवार नियोजन, जागरूकता और स्वैच्छिक नियंत्रण की नीति को अपनाया। किंतु ग्रामीण और अशिक्षित क्षेत्रों में अब भी पर्याप्त जागरूकता का अभाव है। जनसंख्या नियंत्रण में शिक्षा, विशेषकर महिला शिक्षा, सबसे प्रभावी माध्यम सिद्ध हो सकती है। एक शिक्षित महिला न केवल स्वयं जागरूक होती है बल्कि पूरे परिवार को सही दिशा देती है। सरकार द्वारा चलाए जा रहे कौशल विकास अभियान, स्टार्टअप इंडिया, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और आत्मनिर्भर भारत अभियान जैसी योजनाएँ युवाओं को आत्मनिर्भर और उत्पादक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। यदि इन योजनाओं का लाभ गाँव-गाँव तक पहुँचे तो रोजगार सृजन की प्रक्रिया तीव्र हो सकती है। भारत में विकास को संतुलित बनाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर और आधारभूत संरचना को मजबूत करना आवश्यक है, जिससे पलायन पर नियंत्रण हो सके और शहरी क्षेत्रों पर बढ़ता बोझ घटे। स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुँच और गुणवत्ता में सुधार कर मातृ-शिशु मृत्यु दर घटानी होगी। वर्ष 2024 में भारत की मातृ मृत्यु दर अब भी 97 प्रति एक लाख जीवित जन्म है और शिशु मृत्यु दर 27 प्रति हजार के आसपास है।

दहेज का दानव

बेटियों की साक्षरता में वृद्धि और कामकाजी क्षेत्र में लगातार उनकी बढ़ती भूमिका के बावजूद यदि दहेज उत्पीड़न की घटनाओं में वृद्धि होती है, तो यह शर्मनाक स्थिति ही कही जाएगी। राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी की वह रिपोर्ट चौंकती है कि साल 2023 के दौरान देश में दहेज उत्पीड़न की घटनाओं में 14 फीसदी मामले ज्यादा दर्ज किए गए हैं। इस वर्ष के दौरान दहेज के कारण देशभर में 6,100 महिलाओं की मौत दर्ज की गई है। 21वीं सदी को ज्ञान की सदी कहा जा रहा है और हम रूढ़िवादी सोलहवीं सदी में जी रहे हैं। लड़कियों के साथ यदि परिवार व्यवस्था में भेदभाव होता है और भ्रूण हत्या की प्रवृत्ति बढ़ती है, तो उसके मूल में भी दहेज का अभिशाप ही है। लगातार खचीर्ली होती उच्च शिक्षा व्यवस्था में बेटियों की शिक्षा पर बड़ा खर्च करने के बाद यदि मां-बाप को दहेज देना पड़ता है तो यह शर्मनाक स्थिति है। हालांकि, पिछले कुछ समय से पारिवारिक विवाद व अन्य कारकों को दहेज का मामला बनाने के कुछ मामले अदालतों की चिंता का भी विषय रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद समाज में दहेज के लिये उत्पीड़न की घटनाएं कटु सत्य है। यह भी एनसीआरबी की रिपोर्ट का यथार्थ है कि देश में हर रोज दहेज के लिये हत्याएं दर्ज हो रही हैं। बेटियों को पढ़ाने तथा सरकारों द्वारा उनके सशक्तीकरण के तमाम प्रयासों के बावजूद दहेज का दानव यदि अट्टहास कर रहा है तो यह हमारे समाज की असफलता ही कही जाएगी। निस्संदेह, हमारे समाज में सोच में बदलाव लाने की जरूरत है। एक समय नारा लगाया जाता था कि दुल्हन ही दहेज है। इस नारे को हकीकत बनाने की जरूरत है। कहीं न कहीं इस संकट के मूल में पितृसत्तात्मक सोच भी जिम्मेदार है। जिसमें स्त्रियों को वाजिब हक न देकर उन्हें कमतर आंका जाता है। इस बात पर विचार किया जाना चाहिए कि दहेज प्रथा उन्मूलन के लिये सख्त कानून होने के बावजूद इस कुप्रथा पर रोक क्यों नहीं लग पा रही है। आखिर क्यों दहेज निषेध अधिनियम के अंतर्गत मामले लगातार बढ़ रहे हैं। समाज में साक्षरता वृद्धि और जागरूकता अभियानों के बावजूद स्थिति जस की तस है। विडंबना यह है कि दहेज उत्पीड़न के ज्यादातर मामले बड़े हिंदी प्रदेशों में सामने आए हैं। सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में और फिर बिहार दूसरे नंबर पर है। ये हजारों मामले समाज में स्त्रियों की विडंबनापूर्ण स्थिति को ही दशार्ते हैं। समाज में उपभोक्तावादी सोच के चलते भी दहेज की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिल रहा है। हमें विचार करना होगा कि समाज में दहेज के संकट की जड़ों पर कैसे प्रहार किया जाए। राष्ट्र का विकास तब तक एकांगी ही रहेगा, जब तक आधी दुनिया को समाज में सम्मानजनक स्थान नहीं मिलता। दहेज के मामलों में न्याय भी शीघ्र देने की आवश्यकता है। आज जरूरत इस बात की है कि बेटियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जाए, ताकि वे समाज में सम्मानजक ढंग से बिना किसी पर निर्भर रहकर जीवनयापन कर सकें।

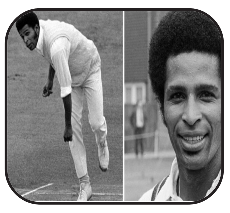

वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर बर्नार्ड जूलियन का निधन, 1975 विश्व कप की विजेता टीम का थे हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जूलियन ने वेस्टइंडीज के लिए 24 टेस्ट मैच और 12 वनडे मैच खेले। उन्होंने लाल गेंद के प्रारूप में 866 रन बनाए और 50 विकेट झटके। वहीं, वनडे क्रिकेट में उन्होंने 86 रन बनाने के अलावा 18 विकेट चटकाए। वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर बर्नार्ड जूलियन का 75 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। जूलियन 1957 वनडे विश्व कप की विजेता टीम का हिस्सा थे जिसने इस वैश्विक टूनार्मेंट का पहला खिताब जीता था। जूलियन ने उस विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था और ग्रुप चरण के मैच में श्रीलंका के खिलाफ 20 रन देकर चार विकेट लिए थे, जबकि सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 27 रन देकर चार विकेट झटके थे। क्लाइव लॉयड ने जूलियन को किया याद जूलियन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल में 37 गेंदों पर 26 रनों की पारी खेली थी और टीम को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। उस टूनार्मेंट में जूलियन टीम के बेहतरीन ऑलराउंडर के तौर पर उभरे थे जिन्हें गेंदबाजी, बल्लेबाजी और फील्डिंग में शानदार प्रदर्शन किया था।

फोर्थ स्टेज कैंसर से जूझ रही नफीसा अली ने शेयर की बाल्ड लुक की तस्वीरें

फैंस ने की दुआएं

बॉलीवुड एक्ट्रेस और पूर्व मिस इंडिया नफीसा अली इन दिनों कैंसर की चौथी स्टेज से जूझ रही हैं। इस घातक बीमारी से जंग के बीच वो सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी जिंदगी से जुड़ी हर अपडेट फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। हाल ही में नफीसा ने अपने इलाज के दौरान की एक नई तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उनका बाल्ड लुक देखने को मिल रहा है। नफीसा अली ने अपने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें शेयर की हैं, उसमें वो बिना बालों के नजर आ रही हैं। इस पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, सकारात्मक शक्ति। मेरे सबसे अच्छे दोस्त गैबी के साथ। इस तस्वीर के सामने आते ही लोगों के इस पर खूब कमेंट्स आने लग गए। साथ ही फैंस दुआएं करने लगे कि वो जल्द स्वस्थ हो जाएं और कैंसर से जंग जीत कर पहले जैसी नॉर्मल हो जाएं। नफीसा अली ने पिछले महीने सितंबर में बताया था कि उन्हें नवंबर 2018 में पेरिटोनियल कैंसर (पेट की अंदरूनी झिल्ली में होने वाला दुर्लभ कैंसर) का पता चला था। इलाज के बाद 2019 में डॉक्टरों ने उन्हें कैंसर से मुक्त कर दिया था। लेकिन यह बीमारी फिर से लौट आई। अब वह चौथे स्टेज कैंसर से लड़ रही हैं।

हमारे परिवार की परी..भाभी नीलम के बर्थडे पर प्रियंका चोपड़ा ने किया खास पोस्ट, तस्वीरों में झलकी ननद-भाभी की खूबसूरत बॉन्डिंग

ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा ने अपनी भाभी नीलम उपाध्याय के बर्थडे को बेहद खास अंदाज में सेलिब्रेट किया। प्रियंका ने सोशल मीडिया पर नीलम के साथ बिताए खूबसूरत पलों की तस्वीरें और वीडियोज शेयर किए, जो सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो गए। फैंस भी ननद-भाभी की इन तस्वीरों पर खूब प्यार लुटा रहे हैं। प्रियंका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें नीलम, सिद्धार्थ चोपड़ा और परिवार की कई यादगार झलकियां नजर आईं। इस वीडियो में नीलम और सिद्धार्थ की शादी की कुछ अनदेखी तस्वीरें भी थीं। वीडियो की शुरूआत प्रियंका और उनके भाई सिद्धार्थ की रिसेप्शन पार्टी की एक तस्वीर से हुई, जिसके बाद एक और फोटो में निक जोनास भी दिखाई दिए। इसके अलावा, प्रियंका ने नीलम और अपनी बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनास की एक कैंडिड तस्वीर भी शेयर की, जिसमें दोनों बेहद प्यारी लग रही थीं। तस्वीरों को शेयर करते हुए प्रियंका ने लिखा- हमारे परिवार की परी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। हमेशा खुश रहो और यूं ही मुस्कुराती रहो। इस पोस्ट को री-शेयर करते हुए नीलम ने लिखा-सबसे अच्छी ननद, लव यू !ह्व प्रियंका ने अपनी भाभी को एंजेल ऑफ द फैमिली का प्यारा टैग भी दिया। सिद्धार्थ चोपड़ा और नीलम उपाध्याय की शादी इसी साल की शुरूआत में पंजाबी रीति-रिवाजों से हुई थी। इस मौके पर प्रियंका चोपड़ा अपने पति निक जोनास और बेटी मालती के साथ भारत आई थीं। शादी में बैंड-बाजा-बारात के साथ पूरा चोपड़ा परिवार जमकर नाचा था।वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका हाल ही में हेड्स ऑफ स्टेट में इदरीस एल्बा और जॉन सीना के साथ नजर आई थीं।

पत्नी के आरोपों के बाद बुरा फंसे पवन सिंह, फैंस बोले- शर्म आ रही है तुम पर

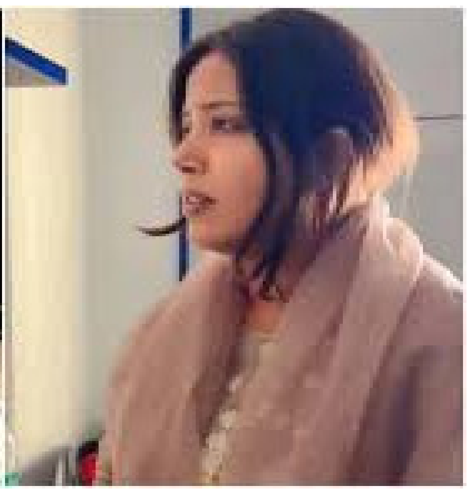

पत्नी ज्योति सिंह द्वारा व्यभिचार और उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाने के बाद पवन सिंह को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। भोजपुरी सिनेमा के अभिनेता-राजनेता पवन सिंह को अपनी पत्नी ज्योति सिंह द्वारा उन पर व्यभिचार और उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाने के बाद सोशल मीडिया पर तीखी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में, ज्योति सिंह इंस्टाग्राम पर लाइव आईं और खूब रोईं। जब वह लखनऊ स्थित पवन सिंह के आवास पर पहुंचीं, तो पुलिस उन्हें थाने ले जाने के लिए पहले से ही मौजूद थी। पुलिस ने कहा कि पवन सिंह ने शिकायत दर्ज कराई है, इसलिए ज्योति को थाने आना चाहिए। हालांकि ज्योति सिंह थाने नहीं गईं और इंस्टाग्राम पर लाइव हो गईं। उन्होंने इंस्टाग्राम लाइव के दौरान कहा- ये पवन सिंह समाज की सेवा करेगा जो अपनी पत्नी को बाहर निकालने के लिए पुलिस बुला रहा है। जब चुनाव था, तो उसने मुझे बुलाया और मेरा नाम इस्तेमाल किया। फिर वो किसी और लड़की के साथ होटल गया। सब पूछते थे कि मैं अपने घर क्यों आई, ये नहीं कि पवन जी हमारे सामने एक लड़की के साथ होटल क्यों गए। ज्योति ने आगे कहा-पत्नी होने के नाते मैं अपने पति को किसी और लड़की के साथ नहीं देख सकती थी, इसलिए मैं चली गई। जब तुम अपनी बहन और बेटी के साथ होगे, तब तुम्हें पता चलेगा। उन्हें अपने पोस्ट के कमेंट सेक्शन में खूब सपोर्ट मिला। एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा-पवन, तुम्हें शर्म आनी चाहिए कि तुम अपनी पत्नी के साथ ऐसा व्यवहार कर रहे हो, ये बहुत गलत है भाई। एक अन्य यूजर ने लिखा- मुझे लगा था कि आज सब ठीक हो जाएगा और दोनों साथ होंगे, लेकिन ऐसा नजारा देखकर मुझे बहुत दुख हुआ। एक तीसरे यूजर ने लिखा, हमने कभी नहीं सोचा था कि पवन सिंह इतना गिर जाएंगे। ज्योति सिंह के साथ बहुत गलत हुआ। पवन सिंह के हालिया इंस्टाग्राम पोस्ट पर भी नेटिजन्स ने उनके व्यवहार की आलोचना की। एक यूजर ने लिखा- पवन, आप अपनी लड़की के साथ ऐसा कर रहे हैं, हमें शर्म आती है कि हम आपके प्रशंसक हैं।

तेरे इश्क में का टीजर पसंद आया ? तो देखें ये 5 अधूरी मोहब्बत वाली फिल्में

तेरे इश्क में के टीजर ने एक बार फिर उन फिल्मों की याद ताजा कर दी है, जो दिल को एक साथ तोड़ती भी हैं और जोड़ती भी हैं। अगर आपको ऐसी कहानियां पसंद हैं, जिनमें प्यार उतना ही खूबसूरत है जितना दर्दनाक, तो यहां हैं 5 रोमांटिक फिल्में जो अधूरे इश्क की कहानी बयां करती हैं...

1. देवदास (2002)

संजय लीला भंसाली की देवदास अधूरे प्यार और आत्मविनाश की सबसे भावुक कहानी है। देवदास अपने बचपन के प्यार पारो से दूर हो जाता है, समाज और अहंकार की वजह से। पारो किसी और से शादी कर लेती है और देवदास शराब में डूब जाता है। चंद्रमुखी उसका दर्द समझती है, लेकिन उसका दिल हमेशा पारो में ही अटका रहता है। पारो के द्वार पर देव की आखिरी सांस आज भी सिनेमा की सबसे करुण यादों में से एक है।

2. रॉकस्टार (2011)

इम्तियाज अली की रॉकस्टार एक जलती हुई प्रेमकहानी है जहां कला और दर्द एक-दूसरे से गले मिलते हैं। जनार्दन (रणबीर कपूर) हीर (नरगिस फाखरी) से ऐसा प्यार करता है जो उसकी आत्मा को झकझोर देता है। उनका रिश्ता अधूरा

रह जाता है, लेकिन उसी अधूरेपन से जन्म लेती है उसकी कला। ए. आर. रहमान का संगीत और रणबीर की अदाकारी इस कहानी को अमर बना देते हैं।

3. कल हो ना हो (2003)

करण जौहर की कल हो ना हो प्रेम, त्याग और विदाई की भावुक कहानी है। अमन (शाहरुख खान) अपनी बीमारी छिपाकर नैना (प्रीति जिंटा) को उसके दोस्त रोहित (सैफ अली खान) से मिलाने की कोशिश करता है ताकि वह खुश रह सके। अमन का मौन बलिदान और उसका आखिरी अलविदा दर्शकों की आंखें नम कर देता है।

4. रांझणा (2013)

आनंद एल. राय की रांझणा प्यार की वह कहानी है जो जितनी खूबसूरत है उतनी ही पीड़ादायक। कुंदन (धनुष) बचपन से जोया (सोनम कपूर) से प्यार करता है, पर जोया किसी और से मोहब्बत करती है। उसका प्यार पागलपन में बदल जाता है और अंत में वह अपनी ही मोहब्बत में मिट जाता है। धनुष का दर्द भरा अभिनय इस अधूरे प्यार को अमर बना देता है।

5. आशिकी 2 (2013)

मोहित सूरी की आशिकी 2 एक ऐसी प्रेमकहानी है जो शोहरत, नशे और बलिदान के बीच फंसी है। राहुल (आदित्य रॉय कपूर) आरती (श्रद्धा कपूर) को स्टार बनाता है, लेकिन खुद अपनी कमजोरी से हार जाता है। अपने प्यार को आजाद करने के लिए वह खुद को खत्म कर देता है। इसका हर गीत, हर सीन दिल में उतर जाता है।

आलिया भट्ट से निकिता दत्ता तक, बॉलीवुड की योग देवियां जो फिटनेस में भरती हैं प्राण

बॉलीवुड की चकाचौंध भरी दुनिया में, जहाँ हर जगह परफेक्शन की मांग होती है और हर किरदार दृढ़ता की परीक्षा लेता है, कुछ अभिनेत्रियाँ ऐसी हैं जिन्होंने अपनी जगह जिम या रेड कार्पेट पर नहीं, बल्कि योगा मैट पर बनाई है। इन सितारों के लिए योग सिर्फ फिटनेस नहीं, बल्कि एक दर्शन है, जो उन्हें शरीर और आत्मा, दोनों रूपों में मजबूत और संतुलित रखता है।

शिल्पा शेट्टी

पिछले दो दशकों से शिल्पा शेट्टी सौम्यता, वेलनेस और आंतरिक शांति की प्रतीक रही हैं। अपनी किताबों, डीवीडीज और डिजिटल फिटनेस प्लेटफॉर्म्स के जरिए उन्होंने योग को एक जीवनशैली का रूप दे दिया है। उनकी सुबहें सूर्य नमस्कार से शुरू होती हैं और दिन का अंत

कृतज्ञता के साथ। यही दिनचर्या उन्हें शोबिज की भागदौड़ में भी शांत, संतुलित और दमकता हुआ बनाए रखती है।

करीना कपूर खान

करीना कपूर खान की फिटनेस यात्रा उनकी फिल्मों जितनी ही प्रसिद्ध है। कभी साइज जीरो ट्रेंड की पहचान रही करीना, अब माइंडफुल फिटनेस की मिसाल बन चुकी हैं। उनके लिए योग बाहरी रूप से सुंदर दिखने का नहीं, बल्कि मन, शरीर और सांस के संतुलन का माध्यम है।

निकिता दत्ता

नई पीढ़ी की अभिनेत्रियों में निकिता दत्ता अपनी शांत लेकिन दृढ़ योग साधना के लिए अलग पहचान रखती हैं। उनके सोशल मीडिया पर अक्सर शांत आसनों और मानसिक संतुलन पर उनके विचार दिखाई देते हैं। निकिता के लिए योग कोई प्रदर्शन नहीं, बल्कि आत्म-संवाद का एक पवित्र स्थान है, जहाँ वे बाहरी शोर से दूर होकर अपने भीतर की शांति से जुड़ती हैं। उनकी नियमितता और सहज ऊर्जा यह दशार्ती है कि कैसे योग का प्रभाव चमक-दमक से परे, जीवन को भीतर से निखारता है।

आलिया भट्ट

व्यस्त शूटिंग शेड्यूल और थका देने वाली दिनचर्या के बीच, आलिया भट्ट के लिए योग एक एंकर की तरह है। उन्हें एरियल योगा बेहद पसंद है, और वे अक्सर अपनी योग साधना की झलक सोशल मीडिया पर साझा करती हैं। आलिया की फिटनेस यात्रा उनकी जीवन दृष्टि को दशार्ती है, जिसमें लचीलापन, अनुशासन और संतुलन का समावेश है।

मलाइका अरोड़ा

मलाइका अरोड़ा न केवल एक प्रसिद्ध अभिनेत्री हैं, बल्कि प्रमाणित योग प्रशिक्षक भी हैं।

बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 583 अंक चढ़ा, निफ्टी 25000 के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार तीसरे दिन तेजी रही। बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में करीब एक प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 582.95 अंक या 0.72 प्रतिशत उछलकर 81,790.12 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 639.25 अंक या 0.78 प्रतिशत की बढ़त के साथ 81,846.42 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 183.40 अंक या 0.74 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,077.65 पर आ गया। निवेशकों की वैल्यू लिवाली के चलते सोमवार को निफ्टी तीन सत्रों में 466 अंक या 1.89 प्रतिशत बढ़कर 25,000 के स्तर पर पहुंच गया। सेंसेक्स की कंपनियों का हाल सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, इटरनल, इंफोसिस, कोटक महिंद्रा बैंक और बजाज फिनसर्व प्रमुख लाभ में रहे। वहीं टाटा स्टील, अडानी पोर्ट्स, पावर ग्रिड और टाइटन पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल रहे। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ‪दूसरी तिमाही के नतीजों से पहले वित्तीय सेवाओं और आईटी क्षेत्रों में बढ़त के चलते घरेलू शेयर बाजार ने सकारात्मक रुख के साथ सत्र का अंत किया।

ट्रंप ने पुतिन के 'न्यू स्टार्ट संधि' के प्रस्ताव पर जताई खुशी

बोले- सुनकर अच्छा लगा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। रूस की सरकार ने कहा है कि वे यूक्रेन के साथ युद्ध समाप्त करने के लिए तैयार हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि रूस की सुरक्षा चिंताओं का समाधान होना चाहिए। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावारोव ने भी बीती 27 सितंबर को अपने एक बयान में भी यूक्रेन युद्ध पर चर्चा की बात कही। यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस और अमेरिका के रिश्तों में खटास आई हुई है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के न्यू स्टार्ट संधि के प्रस्ताव पर खुशी जताई और कहा कि न्यू स्टार्ट संधि एक अच्छी पहल है। व्हाइट हाउस में मीडिया से बात करते हुए डोनाल्ड ट्रंप से जब न्यू स्टार्ट संधि को लेकर पुतिन के बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई तो उन्होंने कहा कि 'सुनकर अच्छा लग रहा है। ये अच्छा विचार है।' दरअसल बीती 22 सितंबर को रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने रूसी सिक्योरिटी काउंसिल की बैठक में कहा कि रूस न्यू स्टार्ट संधि के तहत तय प्रतिबंधों का अगले एक साल के लिए और पालन जारी रखने के लिए तैयार है। हालांकि उन्होंने जोर देकर कहा कि यह तभी संभव होगा, जब अमेरिका भी इसका पालन जारी रखे। दोनों देशों के बीच परमाणु हथियारों को लेकर हुई यह संधि अगले साल फरवरी में समाप्त होने वाली है। रूस की सरकार ने कहा है कि वे यूक्रेन के साथ युद्ध समाप्त करने के लिए तैयार हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि रूस की सुरक्षा चिंताओं का समाधान होना चाहिए। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावारोव ने भी बीती 27 सितंबर को अपने एक बयान में भी यूक्रेन युद्ध खत्म करने पर चर्चा की बात कही। 'यूक्रेन संघर्ष रोकने के लिए बातचीत के लिए तैयार' लावारोव ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि जैसा कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन लगातार जोर दे रहे हैं कि रूस संघर्ष को खत्म करने के लिए बातचीत के लिए तैयार है। हालांकि रूस की सुरक्षा अहम है और उसकी चिंताओं को दूर किया जाना चाहिए। साथ ही रूस और रूसी भाषा बोलने वाले लोगों को अधिकारों को भी सुरक्षित किया जाना चाहिए। इसके आधार पर हम यूक्रेन के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं। क्या है न्यू स्टार्ट संधि न्यू स्टार्ट संधि रूस और अमेरिका के बीच परमाणु हथियार नियंत्रण के उद्देश्य से की गई संधि है। यह संधि, अमेरिका और रूस द्वारा तैनात किए जाने वाले सामरिक परमाणु हथियारों की संख्या को सीमित करती है। साल 2010 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा और तत्कालीन रूसी समकक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने इस संधि पर हस्ताक्षर किए थे। यह संधि फरवरी 2011 में लागू हुई और साल 2021 में इसे पांच साल के लिए बढ़ाया गया। इस समझौते के तहत अमेरिका और रूस निम्न बातों को मानने के लिए प्रतिबद्ध हैं- 1,550 से ज्यादा सामरिक परमाणु हथियार और अधिकतम 700 लंबी दूरी की मिसाइलें और बमवर्षक तैनात नहीं किए जाएंगे। 800 अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों से ज्यादा की तैनाती नहीं की जाएगी। यह सुनिश्चित करने के लिए कि दूसरे पक्ष ने संधि की सीमाओं का उल्लंघन नहीं किया है, दोनों पक्ष हर साल सामरिक परमाणु हथियार स्थलों का अधिकतम 18 बार निरीक्षण कर सकते हैं। कोविड महामारी के कारण मार्च 2020 में समझौते के तहत निरीक्षण रोक दिए गए थे। निरीक्षण फिर से शुरू करने पर मास्को और वाशिंगटन के बीच पिछले नवंबर में मिस्त्र में वार्ता होनी थी, लेकिन रूस ने इसे स्थगित कर दिया और दोनों पक्षों ने कोई नई तारीख तय नहीं की है।

'खुदी को कर बुलंद इतना...', मलयेशिया दौरे पर पाकिस्तानी पीएम ने कराई किरकिरी, करते दिखे 'मुशायरा'

मनीला (एजेंसी)। पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ का मलयेशिया दौरा किसी अहम समझौते को लेकर चर्चा में नहीं है लेकिन पाकिस्तानी पीएम की अजीब हरकतों के चलते चर्चा में बना हुआ है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ मलयेशिया के आधिकारिक दौरे पर हैं। सोमवार को पाकिस्तानी पीएम ने एक बयान में कहा कि पाकिस्तान, मलयेशिया के साथ साझा हितों वाले प्रोजेक्ट्स पर सहयोग करना चाहता है। हालांकि मलयेशियाई पीएम के साथ साझा बयान जारी करते समय शहबाज शरीफ कुछ ऐसा कर गए, जिसके लिए उनकी आलोचना हो रही है। दरअसल साझा बयान में शहबाज शरीफ शेर सुनाते नजर आए और उन्होंने संयुक्त बयान जैसे गंभीर इवेंट को भी मुशायरे में तब्दील कर दिया। साझा बयान जैसे गंभीर कार्यक्रम में हंसी मजाक करते नजर आए शहबाज शरीफ पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ 5 अक्तूबर से 7 अक्तूबर तक मलयेशिया के दो दिवसीय दौरे पर हैं। इस दौरे पर रविवार को पाकिस्तानी पीएम ने मलयेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस बैठक के बाद दोनों नेताओं ने संयुक्त साझा बयान जारी किया। इस दौरान पाकिस्तानी पीएम ने अल्लामा इकबाल का एक शेर सुनाया, जिसमें उन्होंने कहा कि 'खुदी को कर बुलंद इतना कि हर तकदीर से पहले खुद बंदे से खुद पूछे बता तेरी रजा क्या है...'। जिस वक्त पाकिस्तानी पीएम ये शेर सुना रहे थे तो वहां मौजूद लोग अचरज भरी निगाहों से उन्हें देख रहे थे क्योंकि उन्हें पाकिस्तानी पीएम की बात समझ ही नहीं आ रही थी।

'अमेरिकी सील्स ने पाकिस्तान में लादेन को किया था ढेर'

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा- इतिहास इसे कभी नहीं भूलेगा

न्यूयॉर्क/ वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी नौसेना के 250वें स्थापना दिवस के मौके पर सील्स की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा- इतिहास कभी नहीं भूलेगा कि यह खास अमेरिकी बल ही था जिसने पाकिस्तान में अल-कायदा नेता ओसामा बिन लादेन के घर में घुसकर उसे मौत के घाट उतारा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी नेवी सील्स की जमकर तारीफ की और कहा कि इतिहास कभी नहीं भूलेगा कि यह खास अमेरिकी बल ही था जिसने पाकिस्तान में अल-कायदा नेता ओसामा बिन लादेन के घर में घुसकर उसे मौत के घाट उतारा था। ट्रंप यह बात सोमवार को नॉरफॉक, वर्जीनिया में नेवी के 250वें स्थापना दिवस के मौके पर एक कार्यक्रम में बोलते हुए कही। उन्होंने कहा, 'इतिहास कभी नहीं भूलेगा कि सील्स ने बिन लादेन के मकान में घुसकर सिर में गोली मारी।' उन्होंने यह भी दोहराया कि 9/11 हमले से एक साल पहले उन्होंने बिन लादेन के बारे में चेतावनी दी थी। ट्रंप ने कहा, 'कृपया याद रखें, मैंने ओसामा बिन लादेन के बारे में ठीक एक साल पहले लिखा था, जब उन्होंने वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हमला किया। मैंने कहा था कि 'ओसामा बिन लादेन पर नजर रखें'। लेकिन उन्होंने नहीं सुनी और एक साल बाद हमला हुआ।' ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका को अक्सर उसके काम

का श्रेय नहीं मिलता, इसलिए उन्हें खुद इसे लेना पड़ा। उन्होंने बताया कि अमेरिकी नेवी ने बिन लादेन की 'घिनौनी लाश' को यूएसएस कार्ल विन्सन एयरक्राफ्ट कैरियर से समुद्र में फेंक दिया, ताकि वह अंधेरी गहराइयों में डूब जाए। दरअसल, मई 2011 में अमेरिकी नेवी सील्स ने एक ऑपरेशन के दौरान बिन लादेन को मार गिराया था। यह ऑपरेशन तब के अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा द्वारा मंजूरी मिलने के बाद किया गया था। उस समय ओबामा ने व्हाइट हाउस के ईस्ट रूम से कहा था, 'मैं अमेरिकी जनता और दुनिया को रिपोर्ट कर सकता हूं कि अमेरिका ने ऐसा ऑपरेशन किया, जिसमें अल-कायदा के नेता ओसामा बिन लादेन को मार दिया गया। उन्होंने हजारों निर्दोष लोगों की हत्या की जिम्मेदारी ली थी।' ट्रंप ने अफगानिस्तान से अमेरिका की वापसी की आलोचना की राष्ट्रपति ट्रंप ने अफगानिस्तान से अमेरिका की बेरोकट नीति और वापसी की आलोचना करते हुए कहा कि अगर अमेरिका सही तरीके से काम करता, तो अफगान युद्ध आसानी से जीत सकता था। उन्होंने कहा, 'लेकिन हम राजनीतिक रूप से सही होने की वजह से धीमे पड़ गए। अब हम राजनीतिक रूप से सही नहीं हैं। अब हम जीतते हैं।'

इस बार सिर्फ दो चरण में मतदान, जानें बिहार में इससे पहले के पांच चुनाव कितने लंबे रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के विधानसा चुनाव के लिए सोमवार को तारीखों का एलान किया गया। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम के माध्यम से बताया कि बिहार विधानसभा चुनाव दो चरण में होंगे। छह नवंबर को पहले चरण का मतदान होगा और 11 नवंबर को दूसरे चरण का मतदान होगा। मतगणना 14 नवंबर को होगी। 14 लाख मतदाता पहली बार डालेंगे वोट बिहार में कुल 7.43 करोड़ मतदाता हैं। 14 लाख मतदाता पहली बार वोट डालेंगे। अनुसूचित जाति के लिए 38 और अनुसूचित जनजाति के लिए दो सीट आरक्षित होंगी। चुनाव आयोग के मुताबिक 90,712 मतदान केंद्र होंगे। इनमें 76,801 ग्रामीण क्षेत्रों में होंगे और 13,911 शहरों में होंगे। मतदान केंद्रों को सौ फीसदी वेब कास्टिंग होगी। प्रत्येक मतदान केंद्र पर औसत 818 मतदाता होंगे। तीन चरणों में हुआ था पिछला

विधानसभा चुनाव साल 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव तीन चरण में हुए थे। जबकि 2015 के विधानसभा चुनाव पांच चरण में हुए थे। उससे पहले 2010 के विधानसभा चुनाव छह चरण में हुए थे। किस चरण में कितनी सीटों पर हुआ था मतदान 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में पहले चरण में 71 सीटों पर मतदान हुआ था। दूसरे चरण में 94 और तीसरे चरण में 78 सीटों पर चुनाव हुआ था। वहीं, 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव में पहले चरण में 49, दूसरे चरण में 32, तीसरे चरण में 50, चौथे चरण में 55 और पांचवें में 57 सीटों पर मतदान हुआ था। बिहार में कुल 243 विधानसभा सीटें हैं। छह चरण में हुए थे 2010 के बिहार विधानसभा चुनाव 2010 के विधानसभा चुनाव में छह चरणों में मतदान हुआ था। इनमें पहले चरण में 47 जिलों, दूसरे चरण में 45 जिलों, तीसरे चरण में 48 सीटों, चौथे चतरण में 42 सीटों, पांचवें चरण में 35 सीटों और छठे चरण में 26 सीटों पर मतदान हुआ था। राज्य में अक्तूबर 2005 में विधानसभा चुनाव हुए थे।

आप का आरोप- गोवा की सड़कें बेहद खराब, मुख्यमंत्री को भेजे गए एक लाख शिकायत पत्र

पणजी (एजेंसी)। गोवा दौरे के अंतिम दिन केजरीवाल ने पार्टी कार्यालय के सामने एक टेंपो को झंडी दिखाकर रवाना किया, जिसमें ये सभी पत्र रखे गए थे। यह टेंपो मुख्यमंत्री सावंत के निवास की ओर भेजा गया, ताकि पत्र उन्हें सौंपे जा सकें। आम आदमी पार्टी (आप) और इसके संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को गोवा सरकार पर सड़कों की अनदेखी का आरोप लगाया। आप ने खराब सड़कों का मुद्दा उठाते हुए राज्य के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत को एक लाख शिकायत पत्र भेजे। इन चिट्ठियों में गोवा के नागरिकों के हस्ताक्षर होने का दावा किया गया है। इनमें सड़कों की दुर्दशा पर नाराजगी जताई गई है। गोवा दौरे के अंतिम दिन केजरीवाल ने पार्टी कार्यालय के सामने एक टेंपो को झंडी दिखाकर रवाना किया, जिसमें ये सभी पत्र रखे गए थे। यह टेंपो मुख्यमंत्री सावंत के निवास की ओर भेजा गया, ताकि पत्र उन्हें सौंपे जा सकें। पत्रकारों से बातचीत में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा, ह्लमुझे हमेशा बताया गया था कि गोवा की सड़कें खराब हैं, लेकिन अब मैंने खुद इस स्थिति का अनुभव किया है। उन्होंने बताया कि अपनी यात्रा के पहले ही दिन उन्हें एक कार्यक्रम में पहुंचने में डेढ़ घंटे की देरी हुई क्योंकि गड्ढों से भरी सड़कों से बचने के लिए उन्हें लंबा रास्ता लेना पड़ा। केजरीवाल ने कहा कि गोवा में खराब सड़कों के खिलाफ आम आदमी पार्टी ने भाजपा चे बुरक नाम से अभियान चलाया था। इस अभियान के तहत पार्टी को राज्य के एक लाख परिवारों से हस्ताक्षर मिलने का दावा किया गया है। उन्होंने कहा, गोवा में साढ़े तीन लाख परिवार हैं, जिनमें से एक लाख ने इस अभियान पर हस्ताक्षर किए।

ऑस्ट्रेलिया और पापुआ न्यू गिनी के बीच ऐतिहासिक रक्षा संधि, चीन की चुनौती से निपटने की तैयारी

मेलबर्न (एजेंसी)। समझौते को लेकर पापुआ न्यू गिनी स्थित चीनी दूतावास ने एक बयान जारी किया था। उस बयान में चीन ने कहा कि द्विपक्षीय समझौता विशेष प्रकृति का नहीं होना चाहिए और न ही ये किसी संप्रभु देश को किसी भी कारण से किसी तीसरे देश के साथ सहयोग से प्रतिबंधित करना चाहिए। ऑस्ट्रेलिया और पापुआ न्यू गिनी के नेताओं ने सोमवार को ऐतिहासिक रक्षा संधि पर हस्ताक्षर कर दिए। इस रक्षा संधि के जरिए दोनों देश प्रशांत महासागर में चीन के दबदबे को चुनौती देने की कोशिश कर रहे हैं। चीन का भी मानना है कि यह संधि उसे अनुचित रूप से निशाना बनाती है। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज और पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने इस समझौते को एक पारस्परिक रक्षा संधि बताया जो उनके रक्षा बलों और सैन्य कर्मियों के बीच एकीकरण करेगी। यह ऑस्ट्रेलिया और उसके सबसे करीबी पड़ोसी और पूर्व उपनिवेश पापुआ न्यू गिनी के बीच इस तरह की पहली संधि है। इस रक्षा संधि के अलावा ऑस्ट्रेलिया का, अमेरिका और न्यूजीलैंड के साथ भी गठबंधन स्तरीय सुरक्षा समझौता है, जो साल 1951 में हुआ था। ऑस्ट्रेलिया और पापुआ न्यू गिनी की संसद से मंजूरी मिलने के बाद इस संधि पर दोनों देशों के नेताओं ने हस्ताक्षर किए। संधि पर

हस्ताक्षर के बाद मीडिया से बात करते हुए ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बानीज ने कहा कि 'ऑस्ट्रेलिया के लिए यह बहुत सम्मान की बात है कि उसका निकटतम पड़ोसी उसका नया सहयोगी बन गया है।' चीन ने बयान जारी कर कहा- समझौते में किसी तीसरे देश से सहयोग को प्रतिबंधित नहीं किया जाना चाहिए अल्बानीज ने आगे कहा, 'दोनों देश इस बात पर भी सहमत हुए हैं कि हम ऐसी कोई भी गतिविधि नहीं करेंगे या कोई भी समझौता नहीं करेंगे जिससे इस संधि के कार्यान्वयन में बाधा आए।' बीते दिनों ऑस्ट्रेलिया और पापुआ न्यू गिनी के बीच हुए इस समझौते को लेकर पापुआ न्यू गिनी स्थित चीनी दूतावास ने एक बयान जारी किया था। उस बयान में चीन ने कहा कि द्विपक्षीय समझौता विशेष प्रकृति का नहीं होना चाहिए और न ही ये किसी संप्रभु देश को किसी भी कारण से किसी तीसरे देश के साथ सहयोग से प्रतिबंधित करना चाहिए। दूतावास ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, 'इसे किसी तीसरे पक्ष को निशाना बनाने या उसके वैध अधिकारों और हितों को कमजोर करने से भी बचना चाहिए।' चीन की चिंताओं को पापुआ न्यू गिनी ने खारिज किया मारापे ने सोमवार को कहा 'पापुआ न्यू गिनी की विदेश नीतिः सभी के मित्र, किसी के शत्रु नहीं की रही है और ये संधि भी उस नीति को कमजोर नहीं करती है।' उन्होंने कहा कि 'हम पारदर्शी रहे हैं। हमने चीन को बताया है कि ऑस्ट्रेलिया, हमारा पसंदीदा सुरक्षा साझेदार बन गया है और वे इसे समझते हैं।' गौरतलब है कि हाल के वर्षों में अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया, दोनों ने पापुआ न्यू गिनी के साथ सैन्य संबंध बढ़ाए हैं, जिसे प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने में एक रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण साझेदार के रूप में देखा जाता है। चीन ने सोलोमन द्वीप समूह के साथ एक सुरक्षा समझौता किया, जिससे दक्षिण प्रशांत क्षेत्र में एक चीनी नौसैनिक अड्डा स्थापित होने की संभावना बढ़ गई है।

फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नु का इस्तीफा, एक महीने से भी कम समय का रहा कार्यकाल

पेरिस (एजेंसी)। लेकोर्नु के इस्तीफे से फ्रांस में राजनीतिक संकट गहरा गया है और राष्ट्रपति मैक्रों पर भी दबाव बढ़ गया है। मैक्रों अब तक तीन असफल अल्पमत सरकारों का नेतृत्व कर चुके हैं। फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नु ने सोमवार को पीएम पद से इस्तीफा दे दिया। सेबेस्टियन लेकोर्नु का बतौर प्रधानमंत्री कार्यकाल एक महीने से भी कम समय का रहा। इसके साथ ही साल 1958 के बाद सेबेस्टियन लेकोर्नु फ्रांस के सबसे कम समय तक प्रधानमंत्री पद पर रहने वाले नेता बन गए हैं। मंत्रिमंडल के एलान के बाद निशाने पर आए लेकोर्नु फ्रांस के प्रधानमंत्री का नियुक्ति के कुछ हफ्ते बाद ही इस्तीफा देना, फ्रांस की राजनीति में गहरे संकट का संकेत दे रहा है। लेकोर्नु को 9 सितंबर को प्रधानमंत्री पद पर नियुक्त किया गया

था। लेकोर्नु को अपने मंत्रिमंडल की घोषणा के बाद ही उनकी अपनी पार्टी और विपक्षी खेमे की आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा था। दरअसल लेकोर्नु के मंत्रिमंडल में 18 नामों में से 12 नाम पिछली सरकार में शामिल नेताओं के थे, जिसके बाद लेकोर्नु की आलोचना शुरू हो गई। लेकोर्नु को मंगलवार को अपनी सरकार का रोडमैप बताने के लिए नेशनल असेंबली को संबोधित करना था, लेकिन उससे पहले ही उनका इस्तीफा हो गया। फ्रांस में बढ़ता घाटा और कर्ज बड़ी समस्या लेकोर्नु के इस्तीफे से फ्रांस में राजनीतिक संकट गहरा गया है और राष्ट्रपति मैक्रों पर भी दबाव बढ़ गया है। मैक्रों अब तक तीन असफल अल्पमत सरकारों का नेतृत्व कर चुके हैं। लेकोर्नु को फ्रांस के बढ़ते घाटे को कम करने के लिए संसद में एक संतुलित बजट पारित कराने का राजनीतिक रूप से चुनौतीपूर्ण काम सौंपा गया था।

तिब्बत में माउंट एवरेस्ट पर भारी बर्फबारी; करीब 1000 पर्वतारोही फंसे

रेस्क्यू अभियान जारी

काठमांडू (एजेंसी)। तिब्बत की माउंट एवरेस्ट की ढलानों पर बर्फीले तूफान के कारण करीब 1000 पर्वतारोही फंसे हुए हैं। वहीं नेपाल में भारी बारिश से 52 लोगों की मौत और चीन में टाइफून माटमो के चलते लाखों लोग सुरक्षित निकाले गए। तिब्बत में माउंट एवरेस्ट के सुदूर पूर्वी क्षेत्र में बर्फीले तूफान के कारण 1,000 से अधिक पर्वतारोही फंस गए हैं। शिविरों में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए बचाव अभियान चल रहा है। यह क्षेत्र 4,900

मीटर की ऊंचाई पर है। बर्फ हटाने के लिए स्थानीय लोगों के साथ विभिन्न बचाव दलों को लगाया गया है। कुछ लोगों को बचा भी लिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार शाम को भारी बर्फबारी शुरू हुई और तिब्बत में माउंट एवरेस्ट की पूर्वी ढलानों पर यह तेज हो गई है, जो पर्वतारोहियों और पैदल यात्रियों के बीच लोकप्रिय क्षेत्र है। माउंट एवरेस्ट दुनिया की सबसे ऊंची चोटी है। इसकी ऊंचाई 8,849 मीटर से भी अधिक है। चीन में इसे माउंट कोमोलांगमा के नाम से जाना जाता है। नेपाल में भी प्राकृतिक आपदा एवरेस्ट के पड़ोसी देश नेपाल में भारी बारिश से भूस्खलन और अचानक बाढ़ आई, जिससे अब तक 52 लोगों की मौत हो चुकी है। स्थानीय प्रशासन प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्य में जुटा हुआ है। चीन में टाइफून माटमो का असर इस बीच टाइफून माटमो, जो 2025 के प्रशांत क्षेत्र का 21वां नामित तूफान है, रविवार को दक्षिण चीन के गुआंगडोंग प्रांत के जहानजियांग शहर में तट पर पहुंचा।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।